डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

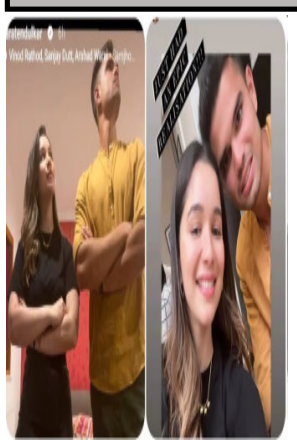

PG-5

सिनेमा- दर्शकों को फिर हंसाने के लिए तैयार कपिल शर्मा

वर्ष -08 अंक -125 | प्रयागराज, शनिवार 23, जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सीनेट की समिति का भारत से रक्षा साझेदारी की मजबूती पर जोर

संयुक्त राष्ट्रीय। सीनेट की समिति ने वित्त वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून का अपना संस्करण पारित करते हुए इसमें 'भारत के साथ प्रमुख रक्षा साझेदारी बढ़ाने' पर जोर दिया है। अमेरिकी सीनेट की एक अहम समिति ने भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने और खुफिया जानकारी एकत्रित करने, ड्रोन तथा चौथी और पांचवीं पीढ़ी

के विमानों के क्षेत्र में वृहद सहयोग के जरिये इसे नए स्तर तक ले जाने का मांग की ह सीनेट की शक्तिशाली सशस्त्र सेवा समिति ने यह मांग ऐसे वक्त में की है जब एक सप्ताह पूर्व प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एनडीएए) के तौर पर एक विधायी संशोधन पारित किया जा चुका है। इसमें 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' (सीएटीएसए) के तहत दंडात्मक प्रतिबंधों से भारत को छूट दी गई है। सीनेट की समिति ने वित्त वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून का अपना संस्करण पारित करते हुए इसमें 'भारत के साथ प्रमुख रक्षा साझेदारी बढ़ाने' पर जोर दिया है। इसमें खुफिया जानकारियां जुटाने, ड्रोनों व चौथी-पांचवीं पीढ़ी के विमानों के क्षेत्रों में वृहद सहयोग शामिल है। इसमें डिपो स्तर पर देखरेख, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, 5-जी और सर्द मौसम में रक्षा क्षमता बढ़ाने में सहयोग भी शामिल है।

असम के दिव्यांग कलाकार की पीएम मोदी से मुलाकात

असम। सीएम सरमा ने पूरा कराया सपना असम के सिलचर जिले के रहने वाले अभिजीत शुक्रवार को अपनी मां के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा दिन था क्योंकि उनका सपना आज पूरा हो गया। असम के 28 साल के मूक बधिर कलाकार का पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात का सपना पूरा हो गया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली में पीएम मोदी से कलाकार अभिजीत गोटानी व उनकी मां की मुलाकात कराई। अभिजीत ने पीएम को अपनी कलाकृति भी भेंट की। असम के सिलचर जिले के रहने वाले अभिजीत शुक्रवार को अपनी मां के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा दिन था क्योंकि उनका सपना आज पूरा हो गया।

पांचवें दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ी संसद, लोकसभा सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद में मानसून सत्र का आज पांचवा दिन है। पिछले चार दिन विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। लगातार हंगामे के बाद गुरुवार को संसद में प्रशन्काल हुआ। इस दौरान मौखिक उत्तरों के लिए सूचीबद्ध 15 में से 13 सवाल लिए गए। हालांकि, सवाल-जवाब के बीच भी विपक्षी सांसदों के महंगाई और जीएसटी जैसे मुद्दों पर हंगामा जारी रहा। पांचवे दिन यानी शुक्रवार को भी महंगाई और बढ़ते दामों के खिलाफ विपक्ष संसद में प्रदर्शन कर रहा है। महंगाई और जीएसटी के मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद सोमवार अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित। मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि भारत सरकार पड़ोस प्रथम नीति के अनुरूप श्रीलंका को आर्थिक चुनौतियों से उबरने में उसकी सहायता कर रहा है । लोकसभा में एस रामलिंगम के प्रशन्के लिखित उत्तर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात कही। सदस्य ने श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट से उबरने के लिये वित्तीय सहायता के बारे में जानकारी मांगी थी सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना में 1.16 लाख से अधिक पद रिक्त हैं जिनमें 7,308 पद अधिकारियों के शामिल हैं।केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में एक प्रशन्के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना में अधिकारियों के 7,308 पद खाली हैं तो सैन्य नर्सिंग सेवा अधिकारी के 471 पद रिक्त हैं। इसके अलावा जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारी एवं अन्य रैंक के 1,08,685 पद रिक्त हैं।भट्ट ने जानकारी दी कि नौसेना में अधिकारियों (चिकित्सा और दंत चिकित्सा को छोड़कर) के 1,446 पद रिक्त हैं तथा नौसैनिक के 12,151 पद खाली हैं। मंत्री ने बताया कि वायुसेना में अधिकारियों के 572 और वायुसैनिकों के 5,217 पद रिक्त हैं। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा, केंद्र हमारे पैसे का इस्तेमाल बड़े उद्योगपतियों का कर्ज चुकाने के लिए कर रही है।

किस राज्य में मुर्मू जीतीं और कहां सिन्हा कहां हुई क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली। जानें सब कुछद्रौपदी मुर्मू देश की अगली राष्ट्रपति चुन ली गईं है। गुरुवार को आए नतीजों में मुर्मू ने अपने प्रतिद्वंदी यशवंत सिन्हा को भारी अंतर से मात दे दी। यूं तो शुरू से आंकड़े मुर्मू के पक्ष में थे, लेकिन यशवंत सिन्हा इस तरह से हारेंगे यह किसी ने नहीं सोचा था। यहां तक की तीन राज्यों से यशवंत सिन्हा को एक भी वोट नहीं मिले। छह राज्य ऐसे हैं, जहां से सिन्हा को 10 से भी कम वोट मिले। वह भी तब जब इनमें से कई राज्यों में विपक्ष की सरकार है। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 4,754 सांसदों और विधायकों ने वोट किया। इनके वोट की वैल्यू 10 लाख 72 हजार 377 है। इनमें से 2,824 सदस्यों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट किया। इस तरह से मुर्मू को कुल छह लाख 76 हजार 803 वैल्यू के वोट मिल गए। जीत के लिए 5.43 लाख वैल्यू के वोट की जरूरत होती है। मतलब मुर्मू ने जीत के लिए जरूरी मतों से करीब 1.34 लाख वैल्यू के अधिक वोट हासिल कर लिए। वहीं, विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा मतगणना के पहले ही दौर से ही बहुत पिछड़ गए। पहले दौर में मुर्मू को मिले वोट की वैल्यू 3.78 लाख थी। जबकि, सिन्हा 1.45 लाख पर टिके थे। तीसरे दौर में मुर्मू ने निर्णायक बढ़त बना ली। चौथे दौर में सिन्हा ने वापसी जरूरी की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। (नोट : मध्य प्रदेश और पंजाब के पांच-पांच वोट निरस्त कर दिए गए। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली के चार-चार, उत्तर प्रदेश के तीन, बिहार के दो, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मेघालय,तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और पुडुचेरी के एक-एक वोट निरस्त हुआ।)

यशवंत सिन्हा बिहार के रहने वाले हैं। इसके बावजूद उन्हें बिहार से ज्यादा वोट नहीं मिल पाया। सिन्हा को बिहार से केवल 106 वोट मिले, जबकि मुर्मू के पक्ष में 133 वोट पड़े। वहीं, द्रौपदी मुर्मू ओडिशा की रहने वाली हैं। यहां से उन्हें 137 वोट मिले, जबकि सिन्हा को नौ वोट मिले। मुर्मू की जीत तो तय थी। लेकिन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के विधायकों और सांसदों ने क्रॉस वोटिंग करके इस जीत के अंतर को और बढ़ा दिया। सबसे ज्यादा क्रॉस वोटिंग असम में हुई। 126 सदस्यीय इस विधानसभा में एनडीए विधायकों की संख्या 79 है, जबकि मुर्मू के समर्थन में 104 वोट पड़े। इसके अलावा मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में भी जमकर क्रॉस वोटिंग हुई। कुल 10 राज्यों के 110 विधायकों ने क्रॉस वोट डाले, वहीं 17 विपक्षी सांसदों ने भी अपनी पार्टी के आदेश के खिलाफ जाकर मुर्मू के पक्ष में वोट किया। विधायक तो विधायक, सांसदों तक ने मुर्मू के समर्थन में क्रॉस वोटिंग की। विपक्षी दलों के 17 सांसदों ने पार्टी के रुख के इतर यशवंत सिन्हा की जगह राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट किए। बड़ी संख्या में सांसदों की क्रॉस वोटिंग के कारण मुर्मू को मत मूल्य में 12,000 का इजाफा हुआ। गौरतलब है कि राजग उम्मीदवार को इसके घटक दलों के इतर शिवसेना, बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस, बसपा, अकाली दल, जदएस, सहित कुछ निर्दलीय सांसदों ने समर्थन की घोषणा की थी। संसद के दोनों सदनों को मिला कर इन सभी दलों और राजग के सांसदों की संख्या 529 होती है। इनमें से भाजपा, शिवसेना और बसपा के दो-दो सांसदों ने वोट नहीं डाले थे। इस हिसाब से राजग उम्मीदवार को 523 सांसदों का समर्थन मिलना था, जबकि इसके उलट उसे 540 सांसदों का समर्थन हासिल हुआ। 1. सिन्हा के मुकाबले एनडीए की उम्मीदवार ज्यादा प्रभावीः सिन्हा सामान्य वर्ग से आते हैं और एक समय भाजपा के बड़े नेता रहे। वहीं, द्रौपदी मुर्मू आदिवासी महिला हैं। ऐसे में अगर विपक्ष के सांसदों और विधायकों को भी मालूम है कि अगर वह मुर्मू का समर्थन करते हैं तो आगे चुनाव में उन्हें इसका फायदा हो सकता है। वह दलित, पिछड़े और आदिवासी वोटर्स के बीच जाकर ये कह सकेंगे कि उन्होंने मुर्मू का साथ दिया। 2. सिन्हा के नाम पर सबको संतुष्ट नहीं कर पाए विपक्षी दलों के मुखियाः यशवंत सिन्हा के नाम का एलान करते वक्त कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी समेत कई विपक्षी दलों के बड़े नेता मौजूद रहे। हालांकि, ये नेता अपने ही सांसदों और विधायकों को संतुष्ट नहीं कर पाए कि सिन्हा को क्यों वोट किया जा यूपी में सिन्हा का एक पुराना बयान भी वायरल हो गया। जिसमें दावा किया गया कि सिन्हा ने कभी सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव को आईएसआई का एजेंट बताया था। यही कारण है कि कुछ सपा विधायकों ने भी सिन्हा की जगह मुर्मू को वोट डालने की खबरें आईं। 3. आपस में ही लड़ते रह गए विपक्षी दल : विपक्ष में एकजुटता नहीं है।

दिनेश गुणवर्धने श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री नियुक्त, देश को संकट से निकालेंगे बुजुर्ग नेता

नई दिल्ली। विक्रम सिंघे व गुणवर्धने की जोड़ी पर अब श्रीलंका को अभूतपूर्व आर्थिक संकट से उबारने का भार है। पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे व उनके सहयोगी देश छोड़कर जा चुके हैं। श्रीलंका के बुजुर्ग नेता दिनेश गुणवर्धने को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पीएम नियुक्त किया। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। बुधवार को विक्रमसिंघे को नया राष्ट्रपति चुना गया था। विक्रमसिंघे व गुणवर्धने की जोड़ी पर अब श्रीलंका को अभूतपूर्व आर्थिक संकट से उबारने का भार है। पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे व उनके सहयोगी देश छोड़कर जा चुके हैं। विदेश, गृह व शिक्षा मंत्री रह चुके गुणवर्धने राष्ट्रपति विक्रमसिंघ और पीएम गुणवर्धने दोनों की उम्र 73 साल है। दिनेश गुणवर्धने श्रीलंका के वरिष्ठ राजनेता, संसद सदस्य, पूर्व कैबिनेट मंत्री और श्रीलंका के सांसद है। गुणवर्धने इससे पूर्व श्रीलंका के विदेश मंत्री व शिक्षा मंत्री रहे चुके है। पूर्ववर्ती राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने उन्हें अप्रैल में गृह मंत्री बनाया था। विक्रमसिंघे ने गुरुवार को शपथ ली थी। वे देश के आठवें राष्ट्रपति चुने गए हैं। पिछले सप्ताह देश में जबर्दस्त उपद्रव व विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया अपने परिवार के साथ देश छोड़कर भाग गए थे।

विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनते ही सख्ती शुरू, उखाड़े गए प्रदर्शनकारियों के तंबू

श्रीलंका। 50 से ज्यादा घायल सशस्त्र बलों की कार्रवाई के बीच एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि रानिल विक्रमसिंघे हमें खत्म करना चाहते हैं लेकिन हम कभी हार नहीं मानेंगे। हम अपने देश को ऐसी घिनौनी राजनीति से मुक्त बनाना चाहते हैं। श्रीलंका में विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनते ही प्रदर्शनकारियों पर सख्ती शुरू हो गई है। गुरुवार रात यहां ऐसी ही कार्यवाई देखने को मिली। सुरक्षाबलों ने विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के अस्थाई शिविरों को नष्ट कर दिया गया। इस दौरान दोनों के बीच झड़प भी हुई, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। दरअसल, श्रीलंका में अभी भी बड़ी तादात में प्रदर्शनकार अपने घर नहीं लौटे हैं। उन्होंने राजधानी में ही अस्थाई तंबू बना लिए, जिनमें वह रहते हैं।श्रीलंका के राष्ट्रपति सचिवालय के परिसर के बाहर नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए सशस्त्र सैनिकों को तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सैकड़ों सुरक्षाकर्मी शुक्रवार तड़के राजधानी में सरकार विरोधी धरना शिविरों में घुस आए और टेंटों को उखाड़ फेंका। सशस्त्र बलों की कार्रवाई के बीच एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि रानिल विक्रमसिंघे हमें खत्म करना चाहते हैं लेकिन हम कभी हार नहीं मानेंगे।

सार्वजनिक होगी विकास दुबे मुठभेड़ मामले की रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई के दिए निर्देशउच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी एस चौहान समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और उसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया है। कानपुर के चर्चित बिकरू कांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को जांच समिति की रिपोर्ट पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि विकास दुबे मुठभेड़ मामले में आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में सिफारिशों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी एस चौहान समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और उसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया। क्या है बिकरू कांड कानपुर के दहशतगर्द गैंगस्टर विकास दुबे और उसके गुर्गों ने डीएसपी समेत आठ पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। एक-एक पुलिसकर्मी को दर्जनों गोलियां मारी थीं। पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर आठ दिन के भीतर विकास दुबे समेत छह बदमाशों को एनकाउंटर में मार गिराया था। इस मामले में 54 आरोपी अभी भी जेल में बंद हैं। केस का ट्रायल अभी भी जारी है। तत्कालीन चौबेपुर एसओ विनय तिवारी सहित, भीटी प्रधान जिलेदार यादव सहित कई लोग गैंगेस्टर का साथ देने में जेल की हवा खा रहे हैं। दो जुलाई 2020 की रात को चौबेपुर के जादेपुरधस्सा गांव निवासी राहुल तिवारी ने विकास दुबे व उसके साथियों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था एफआईआर दर्ज करने के बाद उसी रात करीब साढ़े बारह बजे तत्कालीन सीओ बिल्हौर देवेंद्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बिकरू गांव में दबिश दी गई। यहां पर पहले से ही विकास दुबे और उसके गुर्गे घात लगाए बैठे थे। घर पर पुलिस को रोकने के लिए जेसीबी लगाई थी। पुलिस के पहुंचते ही बदमाशों ने उन पर छतों से गोलियां बरसानी शुरू कर दी थीं। चंद मिनटों में सीओ देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। पुलिसकमिर्यों की हत्या कर ये सभी फरार हो गए थे।

रूस ने दिए व्यापक युद्ध के संकेत, ब्रिटेन और अमेरिका बोले यूक्रेन को देंगे हथियार

किव। ब्रिटेन ने कहा है कि वह कीव को और भी घातक हथियार जल्द ही सप्लाई करने जा रहा है। दरअसल, रूस की योजना दोनबास के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र से परे और अधिक यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा जमाने की है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने पूर्वी दोनबास में भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन को और अधिक रॉकेट प्रणालियां, गोला बारूद और अन्य सैन्य मदद देने की प्रतिबद्धता जताई है। उधर मॉस्को ने व्यापक स्तर पर युद्ध के संकेत दिए हैं। इस पर अमेरिका ने जहां यूक्रेन में सैन्य मदद बढ़ाने की घोषणा की वहीं ब्रिटेन ने कहा कि वह उसे 1,600 एंटी टैंक हथियारों की सप्लाई करेगा। ब्रिटेन ने कहा है कि वह कीव को और भी घातक हथियार जल्द ही सप्लाई करने जा रहा है। दरअसल, रूस की योजना दोनबास के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र से परे और अधिक यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा जमाने की है। इसे देखते हुए यूरोपीय आयोग ने इन्यू सदस्यों से रूसी ऊर्जा पर निर्भरता दूर करने के लिए प्राकृतिक गैस की मांग कम करने की अपील की है। उधर, दुनियाभर के करीब 50 रक्षा नेताओं की डिजिटल बैठक खत्म होने के बाद अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि सहयोगियों और साझेदारों को युद्ध खत्म करने के प्रयासों की ओर प्रतिबद्ध रखना 'कड़ी मेहनत' का काम होगा।

न्यूयॉर्क में करीब एक दशक बाद पहले पोलियो के मामले की पुष्टि

नई दिल्ली। रोगी को अस्पताल से मिली छुट्टीअमेरिका के न्यूयार्क में करीब एक दशक बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है। करीब दस वर्ष में पोलियो के पहले मामले की पुष्टि न्यूयॉर्क के रॉकलैंड काउंटी में हुई है। स्थानीय और राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार (स्थानीय समय) की इसकी घोषणा की। 20 वर्षीय व्यक्ति को जून में अस्पताल में भर्ती कराया गया था द वाशिंगटन पोस्ट ने मामले की जांच कर रहे एक सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि एक 20 वर्षीय व्यक्ति को जून में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोलियो एक वायरल बीमारी है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकती है, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी हो सकती है और कुछ मामलों में, इसके परिणामस्वरूप पक्षाघात (पैरालिसिस) या मृत्यु हो सकती है। 95 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं, फिर भी वे फैला सकते हैं वायरस स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ ने रॉकलैंड काउंटी के एक निवासी में पोलियो के एक पुष्ट मामले की घोषणा की गई। इसमें आगे कहा गया है कि पोलियो से संक्रमित 95 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं है, फिर भी वे वायरस फैला सकते हैं। रॉकलैंड काउंटी के स्वास्थ्य आयुक्त डॉ पेट्रीसिया शनबेल रूपर्ट ने कहा, हम काउंटी में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य और भलाई की रक्षा के लिए न्यूयॉर्क राज्य स्वास्थ्य विभाग और रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के साथ मिलकर इस उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और इस पर काम कर रहे हैं। काउंटी के कार्यकारी अधिकारी एड डे ने अपने बयान में कहा कि ठआप में से बहुत से लोग उस समय बहुत छोटे होंगे जब पोलियो फैला था, लेकिन जब मैं बड़ा हो रहा था तो इस बीमारी ने मेरे अपने सहित अन्य परिवारों में डर पैदा कर दिया था। तथ्य यह है कि टीका बनने के दशकों बाद भी यह आपको दिख रहा है इससे पता चलता है कि यह निरंतर बढ़ रहा है। इसलिए अपने बच्चे के लिए सही से सोचें और अपने समुदाय की भलाई करें और अपने बच्चे को अभी टीका लगवाएं। रोगी को अस्पताल से मिली छुट्टी द वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि रोगी को छुट्टी दे दी गई है और वह अपनी पतनी और बच्चों के साथ घर पर रह रहा है। उसने आगे बताया कि वह व्यक्ति खड़ा होने में सक्षम है, लेकिन उसे चलने में कठिनाई हो रही है।

प्रयागराज शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय इविंग किश्चियन पब्लिक स्कूल के 12वी एवं 10वी का परीक्षा परिणाम रहा 97 प्रतिशत के उपर

दिनांक 23-07-2022 को सी0बी0एस0सी0 बोर्ड कक्षा 12 का परिणाम घोषित हुआ। जिसमे विद्यालय का परिणाम 97.32 प्रतिशत रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजीत लाल द्वारा बच्चो को बधाई देते उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यमी सीटें पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से नि:शुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्र:– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

बृहद रोजगार मेला

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । 21 जुलाई 2022 को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया रीजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी के प्रधानाचार्य श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव और उपनिदेशक सेवायोजन श्री रवि शेखर आनंद के नेतृत्व में सभी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें लगभग 1000 प्रतिभागियों ने11 कंपनियों में प्रतिभाग किया जिसमें सेवायोजन कार्यालय के तरफ से 520 प्रतिभागियों का चयन विभिनन कंपनियों में किया गया तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के तरफ से जो कंपनियां प्रतिभाग की थी, 83 बच्चे सम्मिलित हुए और उसमें 51 का चयन हुआ उक्त अवसर पर मुख्य रूप से सहायक निदेशक श्री रतनकर अस्थाना, मेला प्रभारी आलोक कुमार ,मेला अधिकारी चंद्रकांत सिंह, मीडिया प्रभारी एवं मंच संचालन नंदकिशोर बिंद और विश्व मोहन द्विवेदी ने किया ,इसके अलावा वरिष्ठ कार्यदेशक अमृतलाल साहू,विनोद कुमार कुशवाहा , शहजाद अहमद खान, भोलानाथ ,अमृतलाल , संजय दुबे , आर के यादव, प्रियंका विश्वकर्मा , रश्मि श्रीवास्तव, अजय कुमार ,बृजेशसिंह , फूल प्रकाश , भाईलाल , रामनरेश सिंह ,गौरव इत्यादि के अलावा सेवायोजन और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिकायतकर्ता की मौत से खत्म नहीं होगा धारा138 का आपराधिक केस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । कोर्ट ने कहा है कि मजिस्ट्रेट ने शिकायतकर्ता की मौत पर वैध वारिसों को पक्षकार बना कर सही किया और केस समाप्त करने की अर्जी खारिज करना ग़लत नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने नानक चंद्र गौतम की याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इटावा की महिला व उसके प्रेमी को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों अपने अवैध संबंधों पर हाईकोर्ट की मुहर चाह रहे हैं। कोर्ट ने याची पर पांच हजार रुपये का हर्जाना भी लगाया है। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. कौशल जयेंद्र ठाकर और न्यायमूर्ति अजय त्यागी की खंडपीठ ने महिला व अन्य की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि भारत का संविधान लिव-इन-रिलेशन की अनुमति देता है, लेकिन यह याचिका अवैध संबंधों पर न्यायालय की मुहर प्राप्त करने के उद्देश्य से दायर की गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सामाजिक नैतिकता की धारणा की बजाय व्यक्तिगत स्वायत्तता पर ध्यान दिया जा सकता था, लेकिन दोनों के साथ रहने की अवधि कम है तो ऐसा नहीं किया जा सकता है। मामले में याचियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी सुरक्षा की मांग की थी। उनका तर्क था कि प्रतिवादी उन्हें परेशान कर रहे हैं। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि याची के बच्चे भी हैं। शिकायत थी कि याची का पति उसे उसके दोस्तों के साथ अवैध संबंध बनाने के लिए कहता था। इस वजह से उसने पति का साथ छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि लिव-इन-रिलेशन एक ऐसा रिश्ता है, जिसे भारत में कई अन्य देशों के विपरीत सामाजिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है।

ब्वॉयज हाईस्कूल के गेट पर बमबाजी, मची अफरातफरी, एक के बाद एक कई धमाके

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । ब्वॉयज हाईस्कूल के गेट पर बमबाजी, मची अफरातफरी, एक के बाद एक कई धमाके घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ अधिकारी पहुंचे। मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। कुछ दिन पहले दोपहर 12 बजे पत्थर गिरजाघर के पास एक स्कूल के छात्रों ने चलती बाइक से सड़क पर बम फेंके थे। सिविल लाइंस में दिनदहाड़े ब्वॉयज हाईस्कूल के गेट पर बमबाजी की गई। वारदात किसने और क्यों की, यह देर रात तक पता नहीं चल सका था। लेकिन घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस फुटेज के सहारे बमबाजी करने वालों की तलाश में जुटी है। खास बात यह रही घटना छुट्टी से कुछ देर पहले हुई और यही वजह रही कि छात्र-छात्राएं बाल-बाल बच गए। उधर, पूरामुफ्ती में मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों ने रोकने पर पुलिस टीम पर बम चला दिया। इसमें एक व्यक्ति जख्मी हो गया। गेट को निशाना बनाकर मारा बम, फैली सनसनी बीचएस गेट पर बमबाजी दोपहर 12 बजे के आसपास हुई। रोज की तरह स्कूल में पढ़ाई चल रही थी। तभी अचानक स्कूल गेट पर एक बम आकर गिरा और जोरदार धमाके के साथ फट गया। इससे वहां चारों ओर धुआं फैल गया। धुआं छटने के बाद गार्ड व कर्मचारी बाहर निकले तो गेट के पास ही बम के अवशेष पड़े मिले। इनमें गिट्टियां व अन्य चीजें शामिल थीं। मामला स्कूल पर बमबाजी का था, ऐसे में हड़कंप मच गया। सिविल लाइंस पुलिस के साथ ही सीओ भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रिंसिपल के साथ ही मौके पर मौजूद गार्डों व अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की। जांच पड़ताल के बाद डीवीआर भी कब्जे में ले लिया। सीओ सिविल लाइंस अभिषेक भारती ने बताया कि स्कूल प्रबंधन व कर्मचारियों से पूछताछ की गई लेकिन उन्होंने हमलावरों के बारे में जानकारी होने की बात से इंकार किया। जांच पड़ताल की जा रही है। उधर प्रिंसिपल डेविड ल्यूक का कहना है कि हमलावर कौन थे और उनका मकसद क्या था, इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं। किसी से कोई विवाद भी नहीं हुआ। तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। जांच पड़ताल के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो पता चला कि वारदात स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने की। जिन्होंने चलती स्कूटी से बम फेंका। तीनों धोबीघाट चौराहे की ओर से तेज गति से आए। स्कूल के सामने पहुंचते ही सबसे पीछे बैठे युवक ने बम फेंका और इसके बाद सभी भाग निकले। पुलिस स्कूटी के नंबर से हमलावरों का पता लगाने में जुटी है। जानकारी पर एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह भी पहुंचे और मौके पर फोर्स तैनात कर दी। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच छुट्टी हुई और फिर बच्चों को स्कूल से बाहर निकालकर घर भेजा गया। इससे पहले स्कूल से बाहर निकलते वक्त बच्चे खौफजदा दिखे। मोबाइल लुटेरों ने घेराबंदी पर चलाया बम, स्थानीय निवासी जख्मी बमबाजी की एक और वारदात पूरामुफ्ती इलाके में सामने आई। यहां अहमदपुर असरौली निवासी मायरा का मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों ने घेराबंदी पर पुलिस टीम पर बम से हमला किया। इसमें बदमाश मायरा का मोबाइल छीनकर भागने लगे। उसने सूचना दी तो परिचित इंजमाम व इंतखाब ने मंदर मोड़ तिराहे पर मौजूद पुलिस पिकेट को सूचना दी। पुलिसकर्मियों ने बैरियर लगाकर घेराबंदी तो हमलावर बाइक समेत गिर पड़े। लेकिन अगले ही पल उन्होंने बम से हमला कर दिया। इसमें छर्रे लगने से इंतखाब जख्मी हो गया जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। उधर दो बदमाश तो भाग निकले लेकिन उनके एक साथी को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पूरामुफ्ती एसओ उपेंद्र प्रताप सिंह ने पकड़े गए बदमाश की निशानदेही पर तीन अन्य युवकों को हिरासत में ले लिया गया है। यह धूमनगंज के मुंडेरा के रहने वाले हैं जो पूर्व में भी आपराधिक वारदातें कर चुके हैं। उनसे पूछताछ जारी है।

बरसात शुरू होते ही किसानों ने धान की रोपाई जोरों शोर से शुरू कर दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। ग्रामीण क्षेत्रों में झमाझम बारिश शुरू होते ही किसानों के चेहरे खिल उठे। किसानों ने धान की रोपाई करने के लिए फावड़ा व ट्रैक्टर आदि सामग्री लेकर खेतों की ओर निकल पड़े। किसानों का कहना है कि यदि इस बार प्रकृति ने साथ दिया तो पैदावार काफी अच्छी होगी। प्रगतिशील किसानों का कहना है कि जिन किसानों ने खेतों में धान की नर्सरी पहले से डाल दिया था। उनके लिए बारिश रामबाण है। खेतों में जगह -जगह रोपाई शुरू हो गई है। लेकिन खेतों में रोपाई के लिए मजदूरों का टोटा पड़ गया है। कारण यह कि दूसरे जिले या प्रदेशों में मजदूर अपनी खेती के लिए घरों को जा चुके हैं। स्थानीय मजदूर भी अपनी खेती संभालने में व्यस्त हैं। बारिश से लोगों को तपीश और उमस से राहत मिली है वही इससे किसान भी खुश है। रुक-रुक कर बारिश के बीच किसान

धान की रोपाई में जुट गये है। पहले से डाली गई नर्सरी के लिए बारिश काफी फायदेमंद है। इसके अलावा सब्जी और खरीफ की फसलों के लिए भी यह बारिश लाभप्रद साबित हुई है।काफी दिनों बाद जोरदार बारिश में युवाओं ने जमकर आनन्द उठाया। हरहुआ, कोईराजपुर, बैराजपुर, वाजिदपुर, भक्तपुर, दानूपुर सहित आदि इलाकों में झमाझम बारिश के बाद धान की रोपाई में किसान पूरे जी-जान से जुट गये हैं।

वाराणसी में तेज धूप के साथ दिन की शुरुआत, दोपहर बाद बूंदाबांदी के बन रहे आसार

वाराणसी। सावन के महीने में तेज धूप और गर्मी के बीच बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली है। वाराणसी में दो दिनों की बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया है। आज तेज धूप खिली है लेकिन तल्खी नहीं है। वाराणसी में आज दो दिन बाद तेज धूप के साथ दिन की शुरुआत हुई है। हालांकि सूरज में तल्खी नहीं है। सुबह नौ बजे तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार देर शाम मौसम बदला था और तब से ही लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत है। बुधवार रात की बारिश के बाद गुरुवार को दिन भर नम हवाओं के बीच रुक-रुक कर बूंदाबांदी होती रही। शुक्रवार को आसमान में बादल छाया रहा। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दो दिन से रात में मौसम काफी ठंडा हो जा रहा है। लोगों ने एसी और कूलर का प्रयोग करीब-करीब बंद कर दिया है। बीते दिन अधिकतम तामपान 32 जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार दोपहर बाद कहीं-कही बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि मानसून की द्रोणिका के पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर आने की वजह से मौसम का मिजाज बदल गया है। एक दो दिन में हल्की से तेज बारिश के आसार हैं। इधर, सावन के महीने में तेज धूप और गर्मी के

बीच बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली है। दो दिनों की बारिश से मौसम खुशनुमा होने के साथ खेती-किसानी को लेकर रौनक भी बढ़ गई।पहाड़ों पर हो रही बारिश का असर बनारस में भी नजर आ रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शनिवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर डेढ़ सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से 61.98 मीटर दर्ज किया गया। गंगा का जलस्तर बढ़ने से पानी गंगा आरती की निचली सीढ़ियों तक पहुंच गया है।

23 जुलाई : शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती आज

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर हुआ। आजाद का जन्मस्थान भाबरा अब 'आजादनगर' के रूप में जाना जाता है। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी एवं माता का नाम जगदानी देवी था। उनके पिता ईमानदार, स्वाभिमानी, साहसी और वचन के पक्के थे। यही गुण चंद्रशेखर को अपने पिता से विरासत में मिले थे। चंद्रशेखर आजाद 14 वर्ष की आयु में बनारस गए और वहां एक संस्कृत पाठशाला में पढ़ाई की। वहां उन्होंने कानून भंग आंदोलन में योगदान दिया था। 1920-21 के वर्षों में वे गांधीजी के असहयोग आंदोलन से जुड़े। वे गिरफ्तार हुए और जज के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जहां उन्होंने अपना नाम 'आजाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और 'जेल' को उनका निवास बताया। उन्हें 15 कोड़ों की सजा दी गई। हर कोड़े के वार के साथ उन्होंने, 'वंदे मातरम्' और 'महात्मा गांधी की जय' का स्वर बुलंद किया। इसके बाद वे सार्वजनिक रूप से आजाद कहलाए। जब क्रांतिकारी आंदोलन उग्र हुआ, तब आजाद उस तरफ खिंचे और 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट आर्मी' से जुड़े। रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में आजाद ने काकोरी षड्यंत्र (1925) में सक्रिय भाग लिया और पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गए। दिनेश यादव मैहर का कहना है कि 17 दिसंबर, 1928 को चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने शाम के समय लाहौर में पुलिस अधीक्षक के दफ्तर को घेर लिया और ज्यों ही जे.पी. साण्डर्स अपने अंगरक्षक के साथ मोटर साइकिल पर बैठकर निकले तो राजगुरु ने पहली गोली दाग दी, जो साण्डर्स के माथे पर लग गई वह मोटरसाइकिल से नीचे गिर पड़ा। फिर भगत सिंह ने आगे बढ़कर 4-6 गोलियां दाग कर उसे बिल्कुल ठंडा कर दिया। जब साण्डर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया, तो चंद्रशेखर आजाद ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया। इतना ना ही नहीं लाहौर में जगह-जगह परचे चिपका दिए गए, जिन पर लिखा था- लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। उनके इस कदम को समस्त भारत के क्रांतिकारियों खूब सराहा गया। अलफ्रेड पार्क, इलाहाबाद में 1931 में उन्होंने रूस की बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर समाजवादी क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने संकल्प किया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने 27 फरवरी, 1931 को इसी पार्क में स्वयं को गोली मारकर मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे वीर क्रांतिकारी चंद्रशेखर का नाम मन में आते ही अपनी मूंछों को ताव देता वह नौजवान आंखों के सामने जाता है जिसे पूरी दुनिया 'आजाद' के नाम से जानती है।

मंडल रेल प्रबंधक के कुशल निर्देशन मे आजादी की अमृत महोत्सव के दौरान यात्रियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी के मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के कुशल निर्देशन में मंडल परिक्षेत्र के विभिनन-स्टेशनों पर चलाऐ जा रहे आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आज गुरुवार को सर्कुलेटिंग एरिया में सफाई अभियान चलाया कर आम लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और आस-पास सफाई करने के लिए जागरूक भी किया गया। इस दौरान आज गुरूवार को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री समीर पॉल के नेतृत्व में लहरतारा मिनी रेलवे स्टेडियम से रेलवे कालोनियों तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया जिसमें मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव पाण्डेय एवं वाराणसी मंडल क्रीड़ा संगठन की विभिनन-टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। एकता दौड़ मिनी स्टेडियम से रवाना होकर सभी आवासीय रेलवे कालोनियों, अधिकारी कालोनी होते हुए 5 किलोमीटर तक की दूरी तय कर वापस मिनी स्टेडियम पर समाप्त हुई। इस क्रम में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा0अभिषेक के नेतृत्व आज गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस की ओर से बनारस रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म एक पर जल सेवा अभियान चलाकर प्यासे यात्रियों को ठण्डा पानी पिलाया गया। अभियान में कुल 09 रेसुब सदस्यों द्वारा लगभग 95 यात्रियों के बीच 60 लीटर जल वितरित किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल रेल प्रबंधक तेज जानसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार आज रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी सिटी पोस्ट जवानों द्वारा आइकॉनिक सप्ताह के उपलक्ष में वाराणसी सिटी के प्लेटफार्म नंबर 01, 02 और सर्कुलेटिंग एरिया में सफाई अभियान चलाया गया और साथ ही आम लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाकर अपने आस-पास सफाई करने के लिए जागरूक भी किया गया।

अगले सप्ताह वाराणसी आएंगे सीएम योगी मोदी20 पुस्तक पर प्रबुद्धजनों से करेंगे संवाद

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के तौर पर 20 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर 28 जुलाई को वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर संवाद कार्यक्रम आयोजित है। सीएम योगी इसमें शामिल होने के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 जुलाई को वाराणसी आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 20 वर्ष के सफल कार्यकाल व प्रशासनिक दक्षता पर प्रकाशित पुस्तक मोदी20 पर संवाद करेंगे। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में सीएम योगी बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विशिष्ट जनों, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों व शिक्षाविद्, अधिवक्ता, चिकित्सक, सीए, इंजीनियर को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के लिए काशी क्षेत्र में जिला स्तर पर तीन सदस्यों की समिति गठित की जा रही है। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने बताया कि मोदी मैजिक क्या है और यह कैसे काम करता है, इन्हीं सवालों का जवाब नई किताब मोदी20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी दे रही है। इस पुस्तक में देश के प्रतिष्ठित सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों के लेख संकलित हैं। पुस्तक की प्रस्तावना भारत रत्न स्व. लता मंगेशकर द्वारा लिखी गई है। काशी क्षेत्र के प्रवक्ता नवरतन राठी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। संवाद कार्यक्रम शाम चार बजे शुरू होगा।

वाराणसी में विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

वाराणसी। डॉक्टर बनना चाहती है 12वीं की टॉपरवाराणसी जिले के 152 सीबीएसई विद्यालयों में इस बार 17 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, अलग-अलग स्कूलों के कई दर्जन छात्रों ने 98 फीसदी अंक हासिल किए हैं। सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को जारी होते ही विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। परीक्षा खत्म होने के महीने भर बाद 12वीं और दो माह बाद 10वीं का परिणाम आया। वाराणसी में जिले में कुल 43 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें 164 विद्यालयों के करीब 23 हजार विद्यार्थी 10वीं और 134 विद्यालयों के 20 हजार विद्यार्थी शामिल हैं। छात्र परिवार संग विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों का आशीर्वाद लिया। इधर विद्यालयों में भी विद्यार्थियों का माल्यार्पण कर और उन्हें उपहार देकर सम्मानित कर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं मिली। सीबीएसई की ओर से पहली बार दो टर्म में कराई गई थी। दोनों टर्म के नंबर को जोड़कर ही परिणाम तैयार कराया गया। सीबीएसई की सिटी कोआर्डिनेटर गुरमीत कौर ने बताया कि इस बार जिले में 10वीं में पहले टर्म की परीक्षा 17 नवंबर 2021 से 11 दिसंबर 2021 जबकि दूसरे टर्म की परीक्षा 26 अप्रैल से 24 मई 2022 तक कराई गई। इसके साथ ही 12वीं में पहले टर्म की परीक्षा 16 नवंबर 2021 से 30 दिसंबर 2021 और दूसरे टर्म में छात्रों ने 26 अप्रैल से 15 जून 2022 तक परीक्षा दी। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। सीबीएसई की 12वीं परीक्षा में विभिनन-विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों के साथ सफलता अर्जित कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। इसमें सनबीम स्कूल वरुणा की तनिष्का गुप्ता ने 99 प्रतिशत अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

है। चिकित्सक डॉ.एसपी गुप्ता की सुपुत्री तनिष्का आगे चलकर चिकित्सक बनकर मरीजों की सेवा करना चाहती है। इसके लिए उसने तैयारी भी शुरू कर दी है। विद्यालय में माता-पिता के साथ पहुंचकर तनिष्का ने प्रधानाचार्य और शिक्षकों का आशीर्वाद लिया। उधर तनिष्का के माता-पिता ने मिठाई खिलाई और गले लगाकर बिटिया को बधाई दी।

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में चार घंटे तक नहीं मिला इलाज

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. पवन प्रधान ने कहा कि परिजन महिला को गंभीर हालत में लाए थे। महिला की सांस फूल रही थी। हृदय रोग विभाग की टीम ने नौ बजकर पांच मिनट पर इलाज कर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग भेजा था। इसके बाद मेडिसिन वार्ड में भेज दिया गया। आईवीएफ के जरिए वह गर्भवती थी। पेट में जुड़वा बच्चे थे। इस वजह से स्थिति गंभीर हो गई थी।गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की लापरवाही से मरीज की मौत का मामला सामने आया है। आरोप है कि सात माह की गर्भवती को चार घंटे तक इलाज नहीं मिला, जिससे मौत हो गई। परिजनों ने हंगामा किया तो जूनियर डॉक्टरों ने हाथापाई शुरू कर दी। पुलिस ने समझा-बुझाकर शव एंबुलेंस से भेजवाया। जानकारी के मुताबिक, सिद्धार्थनगर के बेलहरा गांव निवासी संदीप त्रिपाठी पतनी चंद्रा को लेकर शुक्रवार सुबह सात बजे इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने सुपर स्पेशियलिटी में जाने की सलाह दी। उन्होंने सुपर स्पेशियलिटी में ओपीडी का पर्चा बनवाया और हृदय रोग विभाग में दिखाया।

छपरा-वाराणसी समेत दो पैसेंजर ट्रेनें 31 तक निरस्त

वाराणसी। बदले रूट से चलेंगी 19 एक्सप्रेस ट्रेनें युसुफपुर - करीमुद्दीनपुर रेल खंड पर दोहरीकरण कार्य के लिए ब्लॉक के चलते बलिया-प्रयागराज रामबाग-बलिया सवारी गाड़ी और छपरा-वाराणसी सिटी-छपरा सवारी गाड़ी 31 जुलाई तक निरस्त रहेगी। अगर आप आगामी दिनों वाराणसी समेत आसपास के जिलों से भारतीय रेलवे से सफर करने वाले हैं तो ये खबर आपके काम की है। 22 से 31

जुलाई तक दो ट्रेनों को निरस्त करने के साथ 19 ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। इसका कारण युसुफपुर-करीमुद्दीनपुर रेल खंड पर ट्रैक दोहरीकरण और नान-इंटरलॉक कार्य है। निर्माण कार्य के चलते रेल प्रशासन ने बलिया-प्रयागराज रामबाग-बलिया और छपरा-वाराणसी सिटी-छपरा पैसेंजर ट्रेन को 22 से 31 जुलाई तक निरस्त किया है। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार के मुताबिक गोंदिया से 21 से 29 जुलाई तक (23-26 छोड़कर) गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के बजाय औडिहार-मऊ-फेफना होकर चलाई जाएगी। आनंदविहार टर्मिनस से 21, 26 व 28 जुलाई को आनंदविहार टर्मिनस रक्सौल सद्भावना एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना होकर चलेगी। 21 और 28 जुलाई को अंबेडकर नगर-कामाख्या एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना होकर चलेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 21 से 28 जुलाई (27 छोड़कर) को औडिहार-मऊ-फेफना होकर चलाई जाएगी। 21 से 30 जुलाई तक नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना होकर चलाई जाएगी। नई दिल्ली-डिब्रूगढ राजधानी एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना मार्ग से चलाई जाएगी। रक्सौल-आनंदविहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना के रास्ते चलाई जाएगी। 24 और 31 जुलाई को नई दिल्ली डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना मार्ग से चलेगी। 25 व 28 जुलाई बरौनी-अंबाला एक्सप्रेस फेफना-मऊ-औडिहार के रास्ते चलेगी। 25 जुलाई को सूरत-छपरा एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना मार्ग से चलेगी। 25 जुलाई को लोकमान्य तिलक टर्मिनल-रक्सौल एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना के मार्ग से चलेगी।27 जुलाई को छपरा-सूरत एक्सप्रेस फेफना-मऊ-औडिहार के रास्ते चलाई जाएगी। 28 और 29 जुलाई औडिहार-छपरा डेमू औडिहार-मऊ-फेफना मार्ग से चलेगी। 26 और 31 को बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस फेफना-मऊ-औडिहार के रास्ते चलेगी। 27 जुलाई को आनंदविहार टर्मिनल-रक्सौल सद्भावना एक्सप्रेस औडिहार-मऊ-फेफना के मार्ग से चलेगी। 30 जुलाई को रक्सौल-आनंदविहार टर्मिनल एक्सप्रेस फेफना-मऊ -औडिहार मार्ग से चलाई जाएगी। बनारस से चलेगी विभूति एक्सप्रेस हावड़ा-प्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस 24 से 30 जुलाई तक बनारस स्टेशन पर ही टर्मिनेट होगी। बनारस-प्रयागराज रामबाग के बीच निरस्त रहेगी। 25 से 31 जुलाई तक बनारस से ओरिजनेट होकर ही चलेगी।

टावर के नीचे मिला एक व्यक्ति का शव, पहुंची पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र (शक्तिनगर)। शक्तिनगर थाना क्षेत्र के संडे मार्केट में लगे टावर के नीचे अज्ञात व्यक्ति का शव

मिलने से सनसनी फ़ैल गई। शव मिलने की सूचना शक्तिनगर पुलिस को मिलते ही शक्तिनगर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव की सिनख्त में जुट चुकी है। शव को देखने के बाद लोगो का मानना है की करंट लगने के कारण भी मौत हो सकती है। शव पूरी तरीके से सड़ चुका है। जिससे पहचान करने में भी समस्या हो रही है। व्यक्ति का शव बिलकुल टावर मशीन के पास मिला है। मामले में पुलिस शव की पहचान के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

सीबीएसई के बारहवीं की परीक्षा में प्रियंका रही बायोलोजी की टॉपर

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। कक्षा दस में भी डी ए वी खड़िया का परिणाम सवीत्तम अश्विनी कुमार ठाकुर शक्तिनगर/ सोनभद्रः-डी ए वी पब्लिक स्कूल

खडि़या में सीबीएससी की कक्षा बारहवीं का रिजल्ट वेरी गुड कैटेगरी में रहा जहां प्रियंका सिंह ने 96.6 प्रतिशत अंक के साथ बायोलॉजी विषय में 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया वही आकृति ने 93.4 प्रतिशत अंक शुभम पांडे ने 92.8 प्रतिशत अंक तथा कृष्णा जायसवाल ने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधावी प्रतिभा का परिचय दिया शुभम पांडे ने शारीरिक शिक्षा में जहां 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए वही प्रियंका सिंह ने बायोलॉजी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया साथ ही साथ सीबीएसई की कक्षा दसवीं का परिणाम शत प्रतिशत रहा प्रांजल दुबे ने जहा 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया वहीं आर्यन तिवारी 94 प्रतिशत अंक, प्रत्युष दिवेदी ने 93 प्रतिशत अंक, ओम प्रकाश यादव ने 91.8 प्रतिशत अंक, अमित पाल ने 90.6 प्रतिशत अंक एवं शाश्वत प्रकाश शुक्ल ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की गरिमा बढ़ाई प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडेय जी ने कक्षा बारहवीं एवं कक्षा दसवीं के सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके मंगलमय भविष्य की कामना की तथा प्रियंका सिंह एवं शुभम पांडे की सराहना करते हुए उन्हें आगामी छात्रों के लिए अनुकरणीय बताया साथ ही साथ उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से कठिन परिश्रम की अपेक्षा करते हुए आगामी सभी परिणामों को बेहतर से बेहतरीन करने की प्रेरणा दी।

नमामी गंगे परियोजना के अन्तर्गत करोड़ों की लागत से बनी पानी टंकी से टपक रहा है पानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। नगवा ब्लाक के अन्तर्गत आने वाले डोरियां गांव में हर घर में नल योजना के अन्तर्गत तेनुडाही परियोजना के निर्माण पानी टंकी बने के पश्चात ही टपकने लगा पानी गांव के लोगों में इस बात को लेकर गांव के लोगों में काफी नाराजगी का मौहल है अभी नयी टंकी का निर्माण हुए कुछ ही दिन हुए है और ए हाल जबकि अभी गांव के लोगों को इस सुविधा का लाभ भी नहीं उठा पाए है गांव के जनता कि भलाई को देखते हुए डोरियां ग्राम प्रधान परमानन्द सिंह ने इस योजना अधिकारी को शिकायती पत्र भी दिया गया है ताकि इस सम्सया का निवारण किया हो सके जब इस कि जानकारी नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक कुमार सिंह को हुई तो बुधवार को डोरियां गांव में भ्रमण के लिए पहुंचे गांव के लोगों से सारी सम्साय कि जानकारी ली साथ ही पानी टंकी का निरीक्षण भी किया आंधी भरी टंकि में से पानी टपक रहा है नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक कुमार सिंह ने टंकि कि हालत देख

कर नमामी गंगे परियोजना से बनी टंकी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है यह भ्रष्टाचार का ही नतीजा है कि कुछ दिन पहले हुई निर्माण पानी टंकी का ए हाल है कि गांव में पानी भी सप्लाई नहीं कि जासकती जब कि इसकी शिकायत नमामी गंगे परियोजना के उच्च अधिकारियों से भी कि गई है परंतु अधिकारियों कि तरफ़ से नीरासा ही हाथ आई है जबकि इस पानी टंकी से डोरियां आमडीह कुरवल खलियारी रायपुर झरना कोहरवाल देवरी भैरोपुर वैनी पटवध अन्य 50गावो में इस टंकी से पानी कि स्पालाई होनी है।

ओबरा विधायक संजीव कुमार गांव के नेतृत्व में आदिवासी कलाकारों के साथ मनाया राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के जीत का जशन

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला। ओबरा विधायक उत्तर प्रदेश सरकार की समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव सिंह गौड़ के

नेतृत्व में गुरुवार को अपनी पतनै चोपन ब्लाक प्रमुख लीला सिंह गौड़ के साथ आदिवासी कलाकारों बीच देश के15वे राष्ट्रपति व एनडीए के उम्मीदवार द्रोपति मुर्मू के जीत का जशन आदिवासी संस्कृत करमा, डोमकच, सिंहारापार्टी,रचकरमा, झुमरी,सइलो जैसे नृत्य करते हुए एक दूसरे को मिठाइ्यां खिलाकर और राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू की जीत की खुशियां मनाई गई । के जशन का काफिला आदिवासी कार्यालय बघा नाला श्री ढोल नगाड़े साथ शुरुआत होकर शाम 5:00 बजे तकओबरा विधानसभा कार्यालय पर समाप्त हुआ। इस खुशी के और सर समाज कल्याण मंत्री श्री गौड़ ने बताया पूरे आदिवासियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के जीत का जशन मनाया जा रहा है। और आज पूरा देश आदिवासी समाज, भारतीय जनता पार्टी एनडीए व देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू को राष्ट्रपति बना करके देश में ऐतिहासिक है, आदिवासी समाज सदैव भारतीय जनता पार्टी वह यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सदा सदा के लिए ऋणी रहेगा। इसी कड़ी में चोपन ब्लाक प्रमुख लीला सिंह गौड़ ने कहा कि माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आदिवासी समाज को देश के सवीच्च पद पर बैठा करके देश के समस्त आदिवासी समाज का गौरव बढ़ाया गया है। इस दौरान केंद्रीय लोक शिकायत एवं जांच संस्थान चेयरमैन वेलकप संजय सिंह, चोपन मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, विधानसभा प्रभारी उमेश पटेल, अंजनी कुमार वर्मा, बिस्वजीत मौर्या, प्रदीप निषाद,छोटू, मुकेश चौधरी , बजरंगी निषाद, टाटा चौधरी, जोखन खरवार, नागेश्वर गौड़, उर्मिला, फूलमती और तमाम नगरवासी आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी कि अन्तर्राष्ट्रीय छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जारहा है

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि गंभीर बीमारी से ग्रसित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी को मोदी सरकार के इशारे पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बिलावजह बदनाम व परेसान करने के उद्देश्य से पूछताछ हेतु बुलाए

जाने पर कांग्रेस पार्टी और अधिवक्ता समाज इस कृत्य की घोर निंदा करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला महासचिव निगम मिश्रा एडवोकेट के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी सदर को प्रदर्शन कर कांग्रेसजनों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। पूर्व जिला महासचिव निगम मिश्रा एडवोकेट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा की तबीयत कई दिनों से काफी खराब चल रही है और उनका इलाज देश और विदेश में चल रहा है अभी वो सर सुंदर लाल अस्पताल मे एडमिट थी उसके बावजूद इसको जानते हुए भी केंद्र सरकार राजनीतिक बदले की भावना से ग्रसित होकर ईडी पर दबाव देकर सोनिया जी को पूछताछ हेतु प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपने ऑफिस में बुलाकर इनकी अंतरराष्ट्रीय छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रही है तथा उन्हें अपमानित करने का कार्य कर रही है। कई वर्ष पूर्व ही नेशनल हेराल्ड का मामला समाप्त हो चुका था लेकिन मोदी सरकार विपक्ष को बदनाम करने तथा उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि को धूमिल करने पर पूरी तरह उतारू है। केंद्र सरकार चाहती है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से इतना बदनाम कर दिया जाए कि जनता में कांग्रेस और उसके नेताओं की छवि काफी फीकी पड़ जाए और हम अपना राजनीतिक लाभ लेते रहें उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अधिवक्ता धीरज पांडेय ने कहा कि जब से केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी है, तब से देश में गरीबी, बेरोजगारी, कमरतोड़ महंगाई काफी बढ़ी है। आज सरकार की मनमानी और गलत नीतियों की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है, जिसकी वजह से प्रतिदिन डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य तीव्र गति से गिरता चला जा रहा है बावजूद इसके केंद्र सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा है ना ही तरफ कोई ध्यान दे रही है इसलिए ईडी, आईटी और सीबीआई के माध्यम से विपक्षियों को सिर्फ डराने का कार्य किया जा रहा है ताकि सरकार अपनी नाकामियों को छुपा सके और कोई इसके खिलाफ जोरदार प्रदर्शन न कर सके कांग्रेस नेता दिनेश धर द्विवेदी व कर्मा ब्लॉक अध्यक्ष वंशीधर और ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह असफल हो चुकी है अपनी असफलता को छुपाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है केंद्र सरकार के पास सिर्फ एक ही योजना है वह है मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को बदनाम करने की इसके लिए मोदी सरकार जनता के टेक्स का दुष्प्रचार के लिए कई लाख करोड रुपए खर्च कर रही है फिर भी जनता के दिलो से गांधी को नही मिटा पा रही न मिटा पाएगी बल्कि खुद मिट जाएगी.. वरिष्ठ अधिवक्ता आर पी चौधरी व रामानंद पांडेय ने कहा कि अबकी भाजपा सरकार इस बार सत्ता से जाएगी तो 100 साल तक लौट कर नहीं आएगी इस सरकार में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है जिसका परिणाम आने वाले समय मे मिलने वाला है उक्त कार्यक्रम में प्रदर्शन कर ज्ञापन देने वालों में शैलेंद्र चतुर्वेदी, आशीष शुक्ला, प्रमोद पांडे, कमल नारायण भारती, वीरेंद्र भारती, अनिल मिश्रा, आशीष पांडे, आशुतोष पांडे, चंदन पांडे, राजू सोनी, शैलेंद्र चतुर्वेदी, आदि उपस्थित रहे।।

पॉक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर अभियोग अन्तर्गत धारा 376(2)(झ) भादवि व पॉक्सो एक्ट का अभियोग

पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा घटना में संलिप्त अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु दिये गये विशेष निर्देश के क्रम में आज दिनांक-22.07.2022 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर वन चौकी मोड़ के पास से अभियुक्त प्रभु वियार पुत्र कैलाश वियार, निवासी ग्राम कनहरा टोला, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 1- प्रभु वियार पुत्र कैलाश वियार, निवासी ग्राम कनहरा टोला, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 25 वर्ष । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण** - 1- प्रभारी निरीक्षक मिथिलेस कुमार मिश्रा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र । 2- मुख्य आरक्षी लल्लन यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र । 3- मुख्य आरक्षी हेमन्त वारी, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र ।

गृह कलह के चलते युवक ने फंदे पर लटककर दी जान

मिर्जापुर। कछवां थाना क्षेत्र के कछवां डीह तिवारीयान वार्ड में बृहस्पतिवार की रात एक युवक ने पारिवारिक कलह के चलते कमरे में पंखे में साड़ी के फंदे पर लटककर जान दे दी। रात में काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने दरवाजा को धक्का देकर खोला तो युवक फंदे पर लटक रहा था। युवक के शव को जब तक फंदे से उतारा गया, उसकी मौत हो चुकी थी। क्षेत्र निवासी शिवजी मौर्य (32) वाराणसी में किसी प्राइवेट कंपनी में काम करते थे। बृहस्पतिवार को दोपहर में किसी बात को लेकर पतनै से विवाद हुआ। जिसके बाद पत्नी मायके चली गई। पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने रात में कमरे के अंदर पंखे पर साड़ी के फंदे पर लटककर जान दे दी। रात को काफी देर दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को चिंता हुई।

पूजा हत्याकांडः में पति को 10वर्ष कि मिली सजा दहेज़ के लालची पति ने पत्नी कि कि थी हत्या

10 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद

सास, ससुर, जेठ व देवर साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार यादव की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए पूजा हत्याकांड के मामले में दोषसिद्ध पाकर दोषी पति राजू मोदनवाल को 10 वर्ष की कैद एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं साक्ष्य के अभाव में सास, ससुर, जेठ व देवर को दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक बभनी थाना क्षेत्र के अरझट गांव निवासी देवनारायन पुत्र स्वर्गीय हरिचरन ने राबर्ट्सगंज कोतवाली में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी बेटी पूजा देवी का विवाह मार्च 2016 को राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के मधुपुर गांव निवासी राजू मोदनवाल पुत्र राजकुमार के साथ हुई थी। दहेज में 50 हजार रुपये नकद व एक मोटरसाइकिल की मांग की जाने लगी। जिसे लेकर पति राजू मोदनवाल, सास जूठनि देवी, ससुर राजकुमार, जेठ दिनेश व देवर बीजू द्वारा बेटी पूजा देवी को प्रताड़ित किया जाने लगा। इसकी जानकारी बेटी द्वारा दी गई तो कई बार जाकर बेटी के ससुराल वालों को समझाया गया, लेकिन कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसीबीच 13 जुलाई 2018 को पूजा के मौत की सूचना मिली। पूजा के ससुराल जब जाकर देखा तो शव पड़ा था। कई जगह चोट के निशान थे। जिससे साफ जाहिर होता है कि बेटी पूजा की हत्या की गई है। इस तहरीर पर पुलिस ने

एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति राजू मोदनवाल को 10 वर्ष की कैद एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं ससुर राजकुमार, सास जूठनि देवी, जेठ दिनेश व देवर बीजू को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने बहस की।

सरकार द्वारा महिलाओं के हित में कल्याणकारी योजनाएं संचालित कि गई है

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ने ग्राम गोठनी में चैपाल लगाकर महिलाओं की समस्याओं को सुना- शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं की समस्याओं का त्वरित गति से हो निस्तारण-राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू चैधरी ने आज विकास खण्ड चोपन के अन्तर्गत ग्राम गोठनी में चैपाल लगाकर महिलाओं की समस्याओं को सुना और उसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्र एंव प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक कल्याणकारी योजनायें संचालित की जा रही है इन संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीण अंचल की महिलाओं को दी जाये जिससे की वह केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हो सकें और उनके जीवन स्तर में सुधार आये उन्होने कहा कि कन्या सुमंगला योजना प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही है जिसमें बेटी के जन्म होने पर रजिस्ट्रीशेन कराने के पश्चात प्रथम किस्त के रूप में दो हजार रूपये और द्वितीय किस्त एक वर्ष उम्र पूर्ण होने पर टीका करण के पश्चात एक हजार रूपये, तृतीय किस्त कक्षा एक में प्रवेश पर दो हजार चतुर्थ किस्त कक्षा छः में प्रवेश पर दो हजार कक्षा नौ में प्रवेश पर तीन

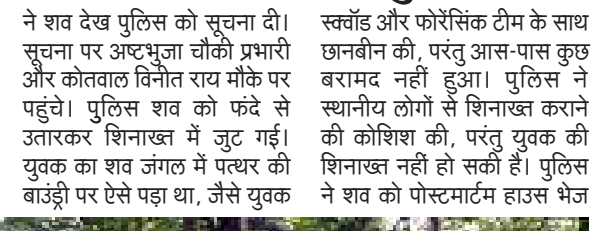

हजार बारहवी उत्तीर्ण करने पर सनतक में प्रवेश पर पाच हजार रूपये प्राप्त होती है इस प्रकार कुल 15 हजार की धनराशि प्राप्त होती है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा ग्रामीण अंचल के महिलाये स्वयं सहायता समूह का गठन कर सशक्त स्वालम्बि एंव अपने को आत्म निर्भर बना रही है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत जनजी और उसके बच्चे को देख-भाल के लिए उसे 6 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी प्रकार मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंम्बन के लिए महिला हेल्प डेस्क, महिला साइबर सेल, महिला रिपोर्टीगं चौकी व परामर्श केन्द्र खोले गये है जहा पर महिलाये जाकर उत्तपीड़न से सम्बन्धित शिकायतो को दर्ज कराकर तत्काल न्याय पा सकती है। कार्यक्रम का संचालन साधना मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजेश कुमार सिंह उप जिलाधिकारी ओबरा, सुनील कुमार सिंह खण्ड विकास अधिकारी चोपन, सुशील कुमार तहसीलदार ओबरा, पुनीत टण्डन जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला थाना प्रभारी सन्तु सरोज, सीमा द्विवेदी, नितू सिंह, शेषमणि दूबे, मनोज मिश्रा पी0आर0ओ0 सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन साधना मिश्रा द्वारा किया गया।

जंगल में पेड़ पर लटकते मिला युवक शव

मिर्जापुर। अष्टभुजा चौकी क्षेत्र के सीताकुंड पहाड़ी के ऊपर घने जंगल में शुक्रवार की सुबह अज्ञात युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ की डाल पर लगे फंदे से लटकते हुए शव मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने हत्या की आशंका जताई है। शव तीन-चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। चरवाहों की सूचना पर विंध्याचल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया। एएसपी सिटी ने डाग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन की। हालांकि शव की शिनाख्त नहीं हो सकी शुक्रवार की सुबह 10 बजे के करीब सीताकुंड पहाड़ी के ऊपर घने जंगल में चिलबिल के पेड़ से लटका एक 26 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ। चरवाहों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर अष्टभुजा चौकी प्रभारी और कोतवाल विनीत राय मौके पर पहुंचे। पुलिस शव को फंदे से उतारकर शिनाख्त में जुट गई। युवक का शव जंगल में पत्थर की बाउंड्री पर ऐसे पड़ा था, जैसे युवक उस पर बैठा हो। पत्थर की बाउंड्री के पास चिलबिल का पेड़ था। बाउंड्री के ऊपर पेड़ की डाल से गमछे से युवक के गले में फंदा लगा था। युवक जींस पैंट और पैर में चप्पल पहने था। ऊपर बदन पर कोई कपड़ा नहीं था। संदिग्ध रूप में युवक का शव पड़ा होने से लग रहा था कि युवक की हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया गया है। सूचना पर एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा और सीओ सटी प्रभात राय मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने डाग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम के साथ छानबीन की, परंतु आस-पास कुछ बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने स्थानीय लोगों से शिनाख्त कराने की कोशिश की, परंतु युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। तीन दिन तक शिनाख्त नहीं होने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। एएसपी सिटी संजय कुमार वर्मा का कहना है कि पहाड़ी पर पेड़ से लटके युवक का शव मिला है। उसकी मौत संदिग्ध प्रतीत हो रही है। उसकी शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। युवक सिर्फ जींस पहने है। उसके पैंट की जेब से छोटा चाकू मिला है। जिसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

लंदन में मुन्ना भाई बनीं सारा तेंदुलकर, अर्जुन को बनाया सर्किट

नई दिल्ली। देखें तस्वीरेंसचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन और बेटी सारा लंदन में खूब मस्ती कर रहे हैं। दोनों साथ में खाना खाने पहुंचे और इसकी तस्वीरें भी शेयर कीं। सारा इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है, जबकि अर्जुन आईपीएल के दौरान काफी चर्चा में रहे थे। हालांकि, अब तक अर्जुन अपना पहला आईपीएल मैच नहीं खेल पाए हैं। फिलहाल दोनों भाई-बहन साथ में घूम रहे हैं और मस्ती कर रहे हैं। हाल ही में सारा ने लंदन की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें अर्जुन भी दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में सारा मुनन भाई तो अर्जुन सर्किट के गेटअप में नजर आ रहे हैं। सारा तेंदुलकर लगातार घूमती रहती और सोशल मीडिया पर तस्वीरें भी शेयर करती हैं। उनके फैंस को उनकी तस्वीरें काफी पसंद आती हैं। सारा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और इसी वजह से उनके फॉलोअर्स भी काफी ज्यादा हैं। लंदन घूम रही सारा ने अपने कई फोटो और वीडियो शेयर किए हैं। इनमें उनके भाई अर्जुन और उनकी दोस्त भी दिखाई दे रही हैं। सारा ती तस्वीरें और वीडियो देखकर लग रहा है कि लंदन में घूम रही हैं। सारा ने कुछ दिन पहले ही थाइलैंड से अपनी एक फोटो शेयर की थी। इस फोटो में वो किसी बीच पर नजर आ रही थीं और छुट्टियों का मजा ले रही थीं। अब वो लंदन में हैं। हालांकि, लंदन में सारा का घर भी है। सारा अपने लुक्स में बदलाव करती रहती हैं। थाईलैंड में उन्होंने अपने बालों के साथ प्रयोग किया था और अलग लुक में नजर आई थीं। उनके बालों को देखकर ऐसा लग रहा था कि उन्होंने ड्रेड्स बनवाए हैं। हालांकि, ऐसा नहीं है। सारा एक ट्रेवलर हैं और उन्हें घूमना बेहद पसंद है। इसी वजह से वो अक्सर घूमती रहती हैं। वो थाईलैंड, गोवा, राजस्थान के अलावा जर्मनी भी घूमने गई थीं। फिलहाल वो लंदन में हैं। सचिन तेंदुलकर की बेटी अब मॉडल भी बन गई हैं। उन्होंने एक बड़े ब्रांड के साथ करार भी किया है। सारा को सोशल मीडिया की लोकप्रियता का फायदा मिल रहा है। इसी वजह से ब्रांड उनके साथ करार कर रहे हैं। सारा कुछ दिनों पहले अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल हुई थीं। यहां वो पारंपरिक

मराठी लुक में दिखाई दी थीं और उनका यह लुक काफी चर्चा में रहा था। इस शादी में सारा के अलावा सचिन भी पहुंचे थे। सारा आईपीएल के दौरान भी काफी चर्चा में रही थीं। वो मुंबई इंडियंस के अधिकतर मैच देखने पहुंची थी। मैच में चौके-छक्के लगने और विकेट गिरने पर उनके हाव-भाव भी काफी चर्चा में

रहे थे। आईपीएल के दौरान ऐसा माना जा रहा था कि अर्जुन साल 2022 में अपना पहला आईपीएल मैच खेल सकते हैं। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। मुंबई की टीम दो साल से अर्जुन को अपने साथ जोड़े हुए है, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल रहा है।

भारत से पहले श्रीलंका ने एक साल में बनाए थे सात कप्तान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड भी ज्यादा पीछे नहींवेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में टॉस के लिए उतरते ही शिखर धवन इस साल भारत की कप्तानी करने वाले सातवें खिलाड़ी बनेंगे। इसके साथ ही टीम इंडिया एक साल में सबसे ज्यादा कप्तान बदलने के मामले में श्रीलंका की बराबरी कर लेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज में शिखर धवन को टीम इंडिया की कमान सौंपी गई है। पहले वनडे में टॉस के लिए उतरते ही धवन इस साल भारत की कप्तानी करने वाले सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे। इसके साथ ही टीम इंडिया एक साल में सबसे ज्यादा कप्तान बदलने के मामले में श्रीलंका की बराबरी कर लेगी। धवन इससे पहले श्रीलंका दौरे में भारत के कप्तान रह चुके हैं, लेकिन इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार वो बतौर कप्तान नजर आएंगे। भारतीय टीम इस साल छह खिलाड़ियों को कप्तान के रूप में आजमा चुकी है। वहीं, श्रीलंका ने भी 2017 में ऐसा किया था। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया भी छह-छह खिलाड़ियों को एक साल के अंदर कप्तान बना चुके हैं। इस साल भारत के पहले मैच में लोकेश राहुल ने कप्तानी की थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में नियमित कप्तान विराट चोटिल थे और राहुल ने टीम की कमान संभाली। अगले मैच में विराट वापस आए, लेकिन यह टेस्ट खत्म होते ही कप्तानी छोड़ दी। वनडे सीरीज में राहुल कप्तान रहे। इसके बाद वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ रोहित ने कप्तानी की। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में राहुल को कप्तान बनाया गया, लेकिन वो चोटिल हो गए और पंत ने भारत की कप्तानी की। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया। वो इस साल भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें खिलाड़ी बने। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में भारत ने जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया और अब शिखर धवन वेस्टइंडीज सीरीज में कप्तानी कर रहे हैं। साल 2017 में श्रीलंका पहली टीम बनी थी, जिसने एक साल में सात कप्तान बनाए थे। खास बात यह है कि

भारत की श्रीलंका ने भी साल की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका दौरे से की थी। उस समय एंजेलो मैथ्यूज टीम के कप्तान थे। दो टेस्ट और दो टी20 मैच में कप्तानी करने के बाद वो हैम्सट्रिंग की चोट के चलते टीम से बाहर हो गए। इसके बाद टी20 में दिनेश चांडीमल और वनडे में उपुल थरंगा ने कप्तानी की। वहीं, टेस्ट में रंगना हेराथ को श्रीलंका की कमान दी गई। मैथ्यूज कप्तान के रूप में वापस आए, लेकिन श्रीलंकाई टीम अपने घर में जिम्बाब्वे से सीरीज हारी और मैथ्यूज ने कप्तानी छोड़ दी। आगे चलकर लसिथ मलिंगा और चमारा कपूगेदरा ने भी श्रीलंका की कप्तानी की। इसके बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान का दौरा किया और सीनियर खिलाड़ियों ने इस दौरे में जाने से मना कर दिया। ऐसे में थिसारा परेरा को कप्तान बनाया गया और वो 2017 में श्रीलंका की कप्तानी करने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए।साल 2001 में जिम्बाब्वे की टीम ने छह खिलाडियों को कप्तान बनाया था। शुरुआत के छह महीनों में हेथ स्ट्रेक टीम के कप्तान थे।

हॉटस्टार या सोनी लिव नहीं इस एप पर देख सकेंगे भारत-वेस्टइंडीज मैच

नई दिल्ली। जानें डीटेलभारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला त्रिनिदाद में है। बांग्लादेश के खिलाफ हारने वाली वेस्टइंडीज टीम का मनोबल कमजोर है। भारत की युवा टीम इसका फायदा उठाकर जीत हासिल करना चाहेगी। भारत का रिकॉर्ड भी शानदार है। पिछले 16 साल में भारत यहां कोई वनडे सीरीज नहीं हारा है और अब धवन के ऊपर रिकॉर्ड बरकरार रखने की चुनौती है। भारत ने वनडे सीरीज के लिए शिखर धवन की अगुवाई में युवा टीम भेजी है और भारतीय खिलाड़ी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला त्रिनिदाद में खेला जाएगा। टीम इंडिया इस मैच को अपने नाम कर जीत के साथ सीरीज की शुरुआत करना चाहेगी। वेस्टइंडीज के टीम को हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस टीम का मनोबल काफी गिरा हुआ है। भारतीय टीम इसका फायदा उठाना चाहेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कमाल करने के लिए बेकरार होंगे। ऐसे में पहला मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। आइए जानते हैं इस मैच के प्रसारण और ऑनलाइन टेलीकॉस्ट से जुड़ी सारी जानकारी...कब होगा भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे मैच भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 22 जुलाई यानी शुक्रवार को खेला जाएगा। कहां खेला जाएगा भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच।

राशीफल

मेष-:आज उद्यमी और व्यवसायी व्यस्त रहेंगे और सफल भी होंगे। वेतनभोगी लोगों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है।

वृष-:आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा होगा। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आएगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा।

मिथुन-:आज आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा क्योंकि आपका प्रिय आपके लिए ढेर सारी खुशियों का कारण साबित होगा। कोई खास काम कल के लिए छोड़ा जा सकता है।

कर्क-:यात्रा अधिक हो सकती है। आपको अपने वरिष्ठों और अधिकारियों से मदद और पुरस्कार मिल सकता है। कार्यस्थल पर आप प्रशंसा के पात्र होंगे, जिससे आपकी संतुष्टि

सिंह-:आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। किसी काम में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी प्लान कर सकते हैं।

कन्या-:आज ऑफिस में प्रेम प्रसंग की संभावना आपको अपने काम से दूर ले जा सकती है, हालांकि, आपको अपनी एकाग्रता वापस लाने की आवश्यकता है। एकतरफा लगाव आपकी खुशिया

तुला-:आज आपको व्यापार और आर्थिक दृष्टि से कुछ निराशा का अनुभव हो सकता है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आपकी आय कम हो सकती है और आपका निवेश रुक

वृश्चिक-:आज का दिन आपका सबसे अच्छा रहेगा। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफ

धनु-:आज आप किसी धार्मिक कार्य में संलग्न हो सकते हैं, जिससे आपकी सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आप मानसिक रूप

मकर-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। काम से जुड़ी कोई बड़ी चुनौती आपके सामने आएगी। साथ ही आप इसमें सफल भी होंगे। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कुंभ-:आज दोस्तों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएं।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

उपकप्तान जडेजा के खेलने पर संशय, ओपनिंग जोड़ी पर भी सस्पेंस

नई दिल्ली। जानें भारत की संभावित टीमवेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी, लेकिन कप्तान धवन के सामने कई चुनौतियां हैं। अनुभवी रवींद्र जडेजा इस मैच से बाहर रह सकते हैं। वहीं, सलामी जोड़ी को लेकर भी संशय बना हुआ है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला जाएगा। दोनों टीमें यह मुकाबला अपने नाम कर जीत के साथ सीरीज की शुरुआत करना चाहेंगी। इस मैच में भारतीय टीम शिखर धवन की कप्तानी में खेलेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को इस सीरीज में आराम दिया गया है। ऐसे में टीम इंडिया को जीत दिलाने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर होगी। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान शिखर धवन के सामने इस मैच में सबसे बड़ी चुनौती टीम चयन को लेकर होगी। रवींद्र जडेजा को इस सीरीज में उपकप्तान बनाया गया है, लेकिन वो भी चोटिल हैं और पहले मैच में उनका खेलना तय नहीं है। उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका दिया जा सकता है। हार्दिक के जाने से संतुलन

बिगड़ा हार्दिक पांड्या को भी इस सीरीज में आराम दिया गया है और उनके न रहने से टीम का संतुलन बिगड़ा है। शार्दुल ठाकुर को उनकी जगह तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, हार्दिक ने हाल में गेंद और बल्ले से जैसा प्रदर्शन किया है उसकी बराबरी करना शार्दुल के लिए मुश्किल होगा। गेंदबाजी में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन बल्लेबाजी में उन पर भरोस नहीं किया जा सकता। कई मौकों पर शार्दुल ने अच्छी बल्लेबाजी की है, लेकिन वो भरोसेमंद बल्लेबाज नहीं हैं। क्या होगी ओपनिंग जोड़ी ईशान किशन ने रोहित के साथ श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी की शुरुआत की थी। इस सीरीज में भी वो टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत कर सकते हैं। उनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन और शुभमन गिल भी ओपनिंग के दावेदार हैं। हालांकि, संजू को मध्यक्रम में मौका दिए जाने की संभावना ज्यादा है। गेंदबाजी में चहल पर विकेट निकालने की जिम्मेदारी इस सीरीज में भारत के सभी तेज गेंदबाज युवा हैं और उनके पास अनुभव की कमी है। प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज को इस मैच में मौका मिल सकता है। वहीं, स्पिन विभाग में चहल सबसे अनुभवी हैं और वेस्टइंडीज के मैदान स्पिन गेंदबाजों की मदद करते हैं। ऐसे में चहल के ऊपर ही विकेट लेने की जिम्मेदारी होगी। चहल अच्छी लय में भी हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें वेस्टइंडीज में जिम्मेदारी के साथ विकेट लेने होंगे और कैरिबियाई बल्लेबाजों पर लगाम लगानी होगी। पोर्ट ऑफ स्पेन की पिच स्पिन गेंदबाजों को मदद करेगी। बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने की बजाय लंबी साझेदारियां करने पर जोर देना होगा। इस मैदान 250 रन का स्कोर अच्छा होगा।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी-20 मोहाली में 20 सितंबर, दूसरा टी-20 नागपुर में 23 सितंबर और तीसरा टी-20 हैदराबाद में 25 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलकर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारियों को अंजाम देगी।भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी-20 त्रिवेंद्रम में 28 सितंबर, दूसरा टी-20 गुवाहाटी में एक अक्तूबर और तीसरा टी-20 इंदौर में तीन अक्तूबर को खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी। इसका पहला मैच छह अक्तूबर को रांची में, दूसरा मैच नौ अक्तूबर को लखनऊ

पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी-20 सीरीज खेलेगी। ये दोनों सीरीज सितंबर-अक्तूबर में खेली जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया तीन मैचों की टी-20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टी-20 और वनडे सीरीज खेलेगी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इसकी पुष्टि की। ऑस्ट्रेलिया से सितंबर में सीरीज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी-20 मोहाली में 20 सितंबर, दूसरा टी-20 नागपुर में 23 सितंबर और तीसरा टी-20 हैदराबाद में 25 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलकर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारियों को अंजाम में और तीसरा मैच 11 अक्तूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। 2020 वनडे सीरीज का रिप्लेसमेंट यह वनडे सीरीज 2020 में कैंसिल हुई वनडे सीरीज के रिप्लेसमेंट के तौर पर खेली जाएगी। दरअसल, 2020 में कोरोना की वजह से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज को रद्द कर दिया गया था। तब दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर पहुंच गई थी। अब इसी सीरीज को इस साल अक्तूबर में खेला जाएगा।बीसीसीआई के सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा- जैसा कि हमारे सचिव जय शाह ने कहा था कि हमारे पास दो टीमें एक जैसी स्ट्रेंथ की मौजूद हैं।

केएल राहुल कोरोना संक्रमित, वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलने पर संशय

नई दिल्ली। जर्मनी में सर्जरी के बाद पूरी तरह से फिट हो चुके राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने की तैयारी कर रहे थे। वह इन दिनों बेंगलुरु के नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रैक्टिस कर रहे हैं। हालांकि, अब उनसे जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है।इसके लिए वह बेंगलुरु के नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रैक्टिस कर रहे हैं। विंडीज दौरे पर जाने के लिए उन्हें एनसीए में फिटनेस टेस्ट पास करना था। हालांकि, अब वह कोरोना संक्रमित मिले हैं।

हालांकि, राहुल से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 22 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत हो रही है। इसके बाद 29 जुलाई से पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। वनडे सीरीज के लिए कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। वहीं, टी-20 सीरीज के लिए कई खिलाड़ियों की टीम में वापसी हो जाएगी। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। केएल राहुल भी चोट के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। वह आईपीएल के बाद चोटिल हुए थे। इसके अलावा गांगुली ने यह भी बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला क्रिकेट टीम में शामिल एक खिलाड़ी भी पॉजिटिव थी। हालांकि, उन्होंने उस खिलाड़ी का नाम नहीं बताया। ऐसे में विंडीज दौरे के लिए उनकी उपलब्धता पर भी सवाल उठ रहे हैं। कुछ दिनों में उन्हें विंडीज दौरे के लिए रवाना होना है। ऐसे में अब उनके खेलने पर तलवार लटक रहा है। उन्हें दौरे पर जाने के लिए कम से कम दो निगेटिव रिपोर्ट लानी होगी। अब राहुल का विंडीज दौरा उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा।

काउंटी डेब्यू पर नवदीप सैनी ने झटके पांच विकेट, टीम ने दिया स्टैंडिंग ओवेशन

नई दिल्ली। फैन्स बोले- मूर्ति बनवा दोकेंट की टीम से खेलते हुए नवदीप सैनी ने मैच के दौरान घातक गेंदबाजी की और बल्लेबाजों को गलत शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। सैनी ने वार्विकशायर की पहली पारी के दौरान क्रिस बेंजामिन (7), डैन मूसली (0), माइकल बर्गेस (0), ब्रूक्स (6) और क्रेग मिल्स (5) को आउट किया। भारत के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी इन दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेकर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। वह काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन-1 में केंट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने वार्विकशायर के खिलाफ काउंटी क्रिकेट में डेब्यू किया और पहली पारी में ही पांच विकेट लेकर सबको चौंका दिया। सैनी ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने सिडनी और ब्रिस्बेन टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। नवदीप सैनी पिछले कुछ सालों से चोट से जूझते रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों में ज्यादा मौका नहीं मिला है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुए एजबेस्टन टेस्ट से पहले सैनी ने लीसेस्टरशायर के खिलाफ प्रैक्टिस मैच भी खेला था और काफी विकेट झटके थे। अब उन्होंने काउंटी में भी अपना जलवा जारी रखा है। नवदीप सैनी ने मैच के दौरान घातक गेंदबाजी की और बल्लेबाजों को गलत शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। गेंदबाजी की और से खेलते हुए उन्होंने टेस्ट के लाइन लेंथ पर गेंदबाजी की। सैनी ने वार्विकशायर की पहली पारी के दौरान क्रिस बेंजामिन (7), डैन मूसली (0), माइकल बर्गेस (0), ब्रूक्स (6) और क्रेग मिल्स (5) को आउट किया। हालांकि, इसके बावजूद वार्विकशायर की टीम पहली पारी में केंट पर 60 रनों की बढ़त लेने में कामयाब रही। केंट के खिलाड़ियों ने पारी की समाप्ति के बाद पांच विकेट लेने वाले सैनी को स्टैंडिंग ओवेशन भी दिया। ट्विटर पर रिएक्शन की बाढ़ आई इसके बाद ट्विटर पर रिएक्शन की बाढ़ आ गई। जेम्स ओलंपिक नाम के एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- नवदीप सैनी की मूर्ति बनवा दो। वहीं, कैमलिन ऑयल पेस्टल्स नाम के यूजर ने लिखा- नवदीप सैनी द्वारा फेंकी गई कुछ गेंदें वाकई शानदार थीं। एन नाम के यूजर ने लिखा- शानदार टैलेंट। वहीं, केंट ने स्टैंडिंग ओवेशन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- काउंटी क्रिकेट में क्या शानदार शुरुआत है।सैनी ने पिछली बार 2021 में श्रीलंका के दौरे पर भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। तब शिखर धवन की कप्तानी में वह प्लेइंग-11 का हिस्सा थे। भारतीय टीम में फिर से जगह बनाने के लिए वह केंट के साथ अपने आठ मैचों के कॉन्ट्रैक्ट के दौरान खुद को साबित करने के लिए उत्सुक होंगे।

सम्पादकीय

भारत-विरोधी कुनबे का सच : परत-दर-परत बेनकाब होते झूठ के पुलिंदे, विकास की राह में डाले जा रहे रोड़े

हालिया घटनाक्रम देखकर मुझे इस तथाकथित 'एक्टिविस्ट गैंग' की एक अग्रणी आवाज, बुकर पुरस्कार से सम्मानित, 'लेखिका' और वामपंथी अरुंधति रॉय का दो दशक पुराना आलेख स्मरण होता है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि गुजरात दंगे के दौरान जाफरी की बेटी को भीड़ ने निर्वस्त्र करके जीवित जला दिया था, जोकि सफेद झूठ था। गत 24 जून को सवीच्च न्यायालय का 2002 गुजरात दंगा मामले में निणच्य आया। इसके अगले ही दिन राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक आरबी श्रीकुमार के साथ 'सिटिजन फॉर जस्टिस एंड पीस' नामक एनजीओ की सचिव तीस्ता सीतलवाड़ को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 468 (जालसाजी), 471 (फर्जी दस्तावेजों का उपयोग), 194 (झूठे साक्ष्य गढ़ने) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। इसमें तीसरे आरोपी पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट हैं, जो पहले से हिरासत में मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। इन तीनों पर यह आरोप किसी सरकारी एजेंसी की रिपोर्ट पर नहीं, अपितु शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त एसआईटी की प्रामाणिक जांच के पश्चात न्यायिक जिरह और तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ के निष्कर्ष के आधार पर लगाए गए हैं। इसके अनुसार, '...हमें प्रतीत होता है कि गुजरात के असंतुष्ट अधिकारियों के साथ अन्य लोगों का एक संयुक्त प्रयास खुलासे करके सनसनी पैदा करना था... जांच के बाद एसआईटी ने उनके झूठ को पूरी तरह से उजागर कर दिया... दिलचस्प है कि मौजूदा कार्यवाही (जकिया जाफरी द्वारा) पिछले 16 वर्षों से चल रही है... ताकि मामला उबलता रहे। जांच प्रक्रिया में इस तरह के दुरुपयोग में शामिल सभी लोगों को कठघरे में खड़ा करने और विविधवत रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।' इस षड्यंत्र का केंद्रबिंदु तीस्ता सीतलवाड़ हैं, जिनके पूर्व सहयोगी रईस खान अदालत में शपथपत्र दाखिल करके उन पर झूठी गवाही दिलाने का आरोप लगा चुके हैं। बेस्ट बेकरी कांड की प्रमुख गवाह यास्मीन बानो शेख ने भी अदालत को बताया था कि तीस्ता ने उसे अदालत में झूठ बोलने को विवश किया था। यही नहीं, दंगा पीड़ितों को मदद पहुंचाने के नाम पर एकत्र चंदे का निजी उपयोग करने और विदेशी वित्तपोषण के लिए एफसीआरए का उल्लंघन करने का उन पर आरोप है। इस प्रकार के पापों की एक लंबी सूची है। तीस्ता की भांति झूठ का पुलिंदा बांधने में श्रीकुमार का भी कोई सानी नहीं। उन्होंने न केवल गुजरात दंगे को लेकर भ्रामक गवाही दी, अपितु इसरो वैज्ञानिक नंबी नारायणन को 1994 में फर्जी जासूसी के मामले में फंसाने का षड्यंत्र भी रचा। तब श्रीकुमार केरल में खुफिया विभाग के उप-निदेशक थे और उनके सामने नंबी को केरल पुलिस द्वारा हिरासत में कई बार पीटा भी गया। बाद में सीबीआई ने नंबी पर लगाए आरोपों को पूर्णतया फर्जी और मनगढ़ंत बताया। वर्ष 2018 में सवीच्च न्यायालय ने नंबी को मुआवजा देने के साथ उन अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश जारी किए, जिन्होंने फर्जी मामले की पटकथा लिखी। वर्ष 2019 में मोदी सरकार ने नंबी को पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस प्रतिभाशाली वैज्ञानिक को फंसाने का एकमात्र उद्देश्य भारत को क्रायोजेनिक इंजन से विमुख रखने का प्रयास था, जिस पर वह काम कर रहे थे। इस इंजन से दो हजार किलो वजनी उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जा सकता है, जिसमें देश 20 वर्ष बाद सफल हुआ। सोचिए, श्रीकुमार के देशविरोधी षड्यंत्र के कारण देश को यह उपलब्धि प्राप्त करने में दो दशक का विलंब हो गया। बात यहीं तक सीमित नहीं। वर्ष 2019 की फोर्ब्स रिपोर्ट हमें यह समझाने में सहायता करती है कि कैसे पर्यावरण-मानवाधिकार के नाम पर (विशेषकर एनजीओ द्वारा) देश के विकास को सफलतापूर्वक बाधित किया जा रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1985 में भारत और चीन का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बराबर 293 डॉलर था, जिसमें बाद में जमीन-आसमान का अंतर आ गया।

वेस्ट बैंक में इस्त्राइली सेना ने फलस्तीनी उग्रवादी को गोली मारी, बांग्लादेश में हिंदू शिक्षक की हत्या, पढ़ें खास खबरें

इस्त्राइली सेना ने दो लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की थी जिसके बाद जेनिन के पास हुई झड़प में 25 वर्षीय मोहम्मद मेरई को गोली लग गई और उसकी मौत हो गई। इस्त्राइली बलों ने वेस्ट बैंक में छापेमारी के दौरान भड़के संघर्ष में फलस्तीन के एक उग्रवादी को गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस्त्राइली सेना ने दो लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की थी जिसके बाद जेनिन के पास हुई झड़प में 25 वर्षीय मोहम्मद मेरई को गोली लग गई और उसकी मौत हो गई। फलस्तीनी इस्लामी जिहाद कट्टरपंथी समूह ने दावा किया है कि मेरई उसका लड़ाका था। दक्षिण अफ्रीका में 21 युवाओं की मौत का कारण बनी जहरीली गैसदक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तट स्थित एक शराबखाने में पिछले सप्ताह 21 युवाओं की मौत का कारण जहरीली गैस बनी थी। जांच से जुड़े अधिकारियों के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। बाहरी ईस्ट लंदन शहर में जिस स्थान पर युवा मृत मिले, वह रात्रि प्रवास के लिए लोकप्रिय था। स्थानीय लोग इसे बंद करने की मांग कर रहे थे। ऐसे काफी युवा हैं, जो अस्पताल ले जाए जाने के कारण जान बचाने में सफल रहे। कुछ अन्य लोगों पर गैस का कोई असर नहीं हुआ। फॉरेंसिक टीम के प्रवक्ता ने अंतिम रिपोर्ट आने से पहले इस पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।फ्रांस की राजधानी में हुए सबसे भीषण आतंकी हमले की सुनवाई विशेष अदालत ने पूरी कर ली है। अब सजा सुनाई जानी है। 2015 में हुए इस आतंकी हमले में 130 लोगों की मौत हुई थी। इस वारदात में शामिल 20 आतंकियों में से अब केवल सालेह अब्देस्लाम (32) ही जीवित है। उसे ही हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है।आधुनिक फ्रांस के इतिहास के सबसे लंबे इस मुकदमे की सुनवाई पिछले साल सितंबर में शुरू हुई थी। नौ महीने तक पीड़ित, पत्रकार और मृतकों के परिजन विशेष रूप से बनाई गई अदालत में आते रहे। 13 नवंबर 2015 को नेशनल फुटबॉल स्टेडियम और बाटाक्लेन म्यूजिक वेन्यू में बंदूकों और भारी हथियारों से लैस 10 लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। और बमों से किए हमलों में सैकड़ों लोग घायल भी हुए थे। गवाहों के बयान के दौरान भी कोर्ट में मौजूद लोगों को वह भयावह मंजर याद आया तो वे सिहर गए। बाटाक्लेन के भीतर के ऑडियो भी कोर्ट में चलाए गए। आरोपी अब्देस्लाम विरोधाभासी बयान दे रहा है। एजेंसी बांग्लादेश में हिंदू स्कूल शिक्षक की दिनदहाड़े हत्या बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार हमला जारी है। ताजा घटना में एक स्कूल के राजनीतिक विज्ञान के शिक्षक उत्पल कुमार सरकार की 19 वर्षीय अशराफुल इस्लाम ने क्रिकेट के विकेट से पीट-पीट कर हत्या कर दी। यह घटना 25 जून की है। जानकारी के मुताबिक उत्पल ढाका स्थित हाजी यूनुस अली स्कूल एवं कॉलेज में पढ़ाते थे। इस घटना के बाद से उनकी बूढ़ी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे की तस्वीर के साथ बिलखती हुई महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बताया जाता है कि आरोपी अशराफुल उसी स्कूल में 10वीं का छात्र है। उसने वारदात वाले दिन स्कूल के मैदान में दिनदहाड़े शिक्षक

उत्पल की पीट-पीट कर हत्या कर दी। इस घटना को लेकर हिंदू समुदाय में गहरा आक्रोश है। करतारपुर, पाकिस्तान में धार्मिक आजादी की प्रतिबद्धता : बाजवा पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने ब्रिटिश सिख सैनिकों के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बताया कि ऐतिहासिक करतारपुर गलियारा धार्मिक आजादी और सद्भाव के प्रति पाकिस्तान की अटूट प्रतिबद्धता की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है। ब्रिटिश फील्ड आर्मी के उप कमांडर मेजर जनरल सेलिया जे हार्वे, के नेतृत्व में एक समूह ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय में जनरल बाजवा से मुलाकात की।बैठक के दौरान बाजवा ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि पाकिस्तान सभी धर्मों का सम्मान करता है और सेना के अनुसार देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत को भी मानता है। बता दें, करतारपुर गलियारा धार्मिक प्रतिनिधिमंडल ने लाहौर का दौरा किया जहां गणमान्य व्यक्तियों ने वाघा बॉर्डर पर ध्वज समारोह देखा। ब्रिटिश सिख सैनिकों ने देश के कई धार्मिक स्थलों का दौरा किया और वे ओरकजई जिले में भी गए। उन्होंने लॉकहार्ट किला और सारागढ़ी स्मारक भी देखा। भारत दौरे पर बांग्लादेश पीएम हसीना करेंगी रोहिंग्याओं की वापसी पर चर्चा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस साल नवंबर में भारत आने वाली हैं। वह यहां पर रोहिंग्याओं के मुद्दे पर भी विचार करेंगी। बांग्लादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमेन ने बुधवार को इस संबंध में जानकारी दी। मोमेन ने कहा, प्रधानमंत्री हसीना म्यांमार से बांग्लादेश आए रोहिंग्या शरणार्थियों से नशा तस्करी जैसी बढ़ने वाली समस्याओं का मुद्दा भी उठाएंगी। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेशी पीएम को भारत आने का न्योता दिया है। मोमेन ने कहा, हमारे लिए एकमात्र सुविधाजनक समाधान रोहिंग्याओं को उनके प्रांत रखाइन वापस भेजना है। उन्होंने कहा, मैं आश्वस्त हूं कि शेख हसीना जब पीएम मोदी से मिलेंगी तब इस बात पर भी विचार करेंगी कि रोहिंग्याओं की वापसी पर भारत किस तरह मदद देगा। मकानों की कीमतें 9ज्ञ तक बढ़ीं, बिक्री पर असर नहीं पिछले एक साल में देश के प्रमुख शहरों में मकानों की कीमतों में 5 से 9 फीसदी का इजाफा हुआ है। बावजूद इसके बिक्री में तेजी रही है। सालाना आधार पर शीर्ष 8 शहरों में अप्रैल-जून तिमाही में 74,330 मकानों की बिक्री हुई। यह एक साल पहले समान तिमाही में 15,968 की तुलना में 4.5 गुना ज्यादा है। हालांकि, पिछली तिमाही से मांग केवल 5 फीसदी बढ़ी है। उस तिमाही में 70,623 मकानों की बिक्री हुई थी। प्रॉपटाइगर के अनुसार, इस दौरान दिल्ली और एनसीआर में मकानों की बिक्री में 60ज्ञ की तेजी रही। इस साल अप्रैल-जून में 4,520 मकान बिके, जबकि एक साल पहले 2,830 मकान बिके थे। दिल्ली में मकानों के दाम 6 फीसदी बढ़े हैं। बंगलूरू में अप्रैल-जून के दौरान कुल 8,350 मकानों की बिक्री हुई। एजेंसी संदीप गुप्ता गेल के नए चेयरमैन होंगे नई दिल्ली। इंडियन ऑयल में वित्त विभाग के निदेशक संदीप कुमार गुप्ता गेल इंडिया के नए चेयरमैन होंगे। पब्लिक एंटरप्राइजेज सिलेक्शन बोर्ड (पीईएसबी) ने 10 उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद 56 वर्षीय गुप्ता के नाम को चुना है। इंडियन ऑयल में उन्हें 31 साल का अनुभव है। वर्तमान चेयरमैन मनोज जैन 31 अगस्त को रिटायर होंगे। एजेंसी बायजू ने 2,500 कर्मियों को नौकरी से निकाला, पिछले साल 1,690 करोड़ था घाटा नई दिल्ली। 22 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली एडटेक कंपनी बायजू ने लागत घटाने के लिए अपनी कई कंपनियों में से 2,500 कर्मचारियों को निकाल दिया है। निकाले गए कर्मचारियों में कुछ ठेके वाले हैं और कुछ नियमित हैं। 27 और 28 जून को इसने अपनी दो कंपनियों टापर और व्हाइट हैट जूनियर में से 1,500 लोगों को निकाला था। इन दोनों कंपनियों को इसने 45 करोड़ डॉलर में खरीदा था। बुधवार को कंपनी ने 1,000 और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिन लोगों को निकाला गया है, उनका कार्यकाल अक्तूबर-नवंबर में पूरा होगा। बायजू को 2021 में 1,690 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ब्यूरो 122 स्टार्टअप चार साल में बन सकते हैं यूनिकॉर्न मुंबई। फंडिंग की दिक्कतों के बावजूद अगले चार साल में 122 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन सकते हैं। इनका मूल्यांकन इस समय 20 करोड़ डॉलर का है। इनके पास 82,300 कर्मचारी हैं। इसके साथ ही यूनिकॉर्न की संख्या 200 तक पहुंच जाएगी। पीएसएलवी-सी 53 मिशन के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुरू श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) बृहस्पतिवार को अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) से तीन उपग्रहों का अंतरिक्ष में प्रक्षेपण करेगा। सिंगापुर से संबंधित तीन उपग्रहों को न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ एक अनुबंध के तहत लांच किया जा रहा है। यह न्यू इंडिया स्पेस मिशन का दूसरा मिशन है। पीएसएलवी सी- 53 मिशन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के दूसरे लांच पैड से शाम 6:00 बजे लांच किया जाएगा। मिशन के लिए उल्टी गिनती 29 जून शाम 5 बजे से ही शुरू हो गई है। कोलंबिया ने भारत से मांगी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में मदद बंगलूरू। कोलंबिया ने अपने राष्ट्रीय विकास के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत से सहायता मांगी है। भारत में कोलंबिया की राजदूत मारियाना पाचेको ने अंतरिक्ष विभाग में सचिव व भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ से मंगलवार को इस सिलसिले में मुलाकात की। इसरो ने बैठक के दौरान पाचेको ने सितंबर 2021 में हस्ताक्षरित भारत-कोलंबिया समझौता ज्ञापन के तहत दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जारी सहयोग पर संतोष जताया। सोमनाथ ने पाचेको को कोलंबिया के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण में हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। भारत से सहयोग बढ़ाने को पहुंचा ऑस्ट्रेलियाई सैन्य दल नई दिल्ली। भारत के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग को व प्रगाढ़ करने के रास्ते तलाशने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई सेना का प्रतिनिधिमंडल एक सप्ताह के दौरे पर भारत आया है। 25 जून को पहुंचे दल के अधिकारी दोनों सेनाओं के बीच तालमेल बेहतर करने और रक्षा पर औद्योगिक सहयोग पर बातचीत की। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री रिचर्ड मार्लेस के तीन दिवसीय भारत दौरे के बाद रक्षा दल का यह दौरा हो रहा है। ब्यूरो सीबीएसई-सीआईएससीई के नतीजे 15 जुलाई तक नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) के 10वीं और 12वीं के परिणाम 15 जुलाई तक आ सकते हैं। कोरोना को देखते हुए इस साल परीक्षाएं दो हिस्सों में हुई थीं। सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 24 मई व 12वीं की परीक्षा 15 जून को समाप्त हुई थी। वहीं, सीआईएससीई 10वीं और 12वीं की परीक्षा क्रमशः 20 व 13 जून को संपन्न हुई थी। एजेंसी आंध्र प्रदेश के 90 हजार कर्मचारियों के करोड़ों रुपये खाते से गायब अमरावती। आंध्र प्रदेश में 90 हजार से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों के खातों से करोड़ों रुपये अचानक निकल गए। बताया जाता है कि ये रकम कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में जमा कराने के बाद निकाले गए।, राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि महंगाई भत्ते का एरियर गलती से कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में जमा हो गया था। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (वित्त) एसएस रावत ने बुधवार को कहा कि तकनीकी खामी को ठीक करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र सियासतः शरद पवार युग समाप्त, देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के नए चाणक्य

बतौर विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस कभी घर नहीं बैठे। यहां तक कि जब कोरोना महामारी के कारण अनिच्छा से मुख्यमंत्री पद स्वीकार करने वाले उद्धव ठाकरे मातोश्री से बाहर ही नहीं निकलते थे, वहीं फडणवीस राज्य का दौरा करते रहे और लोगों का दुख-दर्द बांटते रहे। महाराष्ट्र की राजनीति में 10 जून से 29 जून 2022 के दौरान जो कुछ भी हुआ या आगे दो तीन दिन होने वाला है, उसे देखकर यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही छत्रपति शिवाजी महाराज की धरती के असली चाणक्य हैं और निःसंदेह मराठा क्षत्रप शरद पवार का युग लगभग समाप्त हो चुका है। जाहिर है इसे पवार साहब को स्वीकार करके सक्रिय राजनीति से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि यह भी साबित हो गया है कि बालासाहेब ठाकरे के अयोग्य उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाकर उनकी आड़ में राज्य में सत्ता के संचालन की उनकी कोशिश अंततः नाकाम हो गई। पवार के पावर की विसर्जन बेला शरद पवार की इमेज जहां आज भी वर्ष 1978 के उस राजनेता की है, जिसने मुख्यमंत्री वंसतदादा पाटिल के साथ कपट किया और उनके विधायकों को तोड़कर राज्य की सत्ता हथिया ली थी। पवार आज भी उस तिकड़मी छवि से बाहर नहीं आ सके हैं। लेकिन दूसरी ओर फडणवीस की इमेज मौजूदा राजनीतिक बवंडर के दौरान जेंटलमैन नेता की बनी रही। एकनाथ शिंदे से बगावत करवाई, लेकिन इसे शिवसेना का अंदरूनी मामला करार दे दिया। शिवसेना विधायकों की बगावत करवा करके फडणवीस ने पवार और उद्धव दोनों को उन्हीं की स्टाइल में करारा जवाब दिया है। चतुर राजनेता की चतुर नीति से सांप भी मर गया और लाठी भी अक्षुण्ण रही। एक तरह से यह 2019 का भूल-सुधार भी कहा जाएगा। वैसे सोशल मीडिया पर रविवार से ही हैशटैग मी पुनः येईन मतलब मैं फिर से आ रहा हूं, ट्रेंड करने लगा है। यह वर्ष 2019 में फडणवीस का चर्चित स्लोगन था, जो उन्होंने अपनी जनादेश यात्रा के दौरान लगाया था। उस समय वह ओवर कॉन्फिडेंट के शिकार हो गए थे और उद्धव ठाकरे के चक्रव्यूह में फंस गए थे, इसीलिए नवंबर 2019 में जब बाल ठाकरे की ठाकरे परिवार के चुनाव की राजनीति से दूर रखने की परंपरा को तोड़ते हुए शरद पवार ने शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे राज्य को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलवाई तो फडणवीस के स्लोगन मी पुनः येईन का मज़ाक उड़ाया जाने लगा था। सक्रीय फडणवीस की वापसी और सियासी सीखें कहा जा सकता है कि नवंबर 2019 के बाद देवेंद्र फडणवीस को लग गया कि ठाकरे परिवार और पवार परिवार पर भरोसा करना उनके राजनीतिक जीवन के दो ब्लंडर थे। पहला 2019 में चुनाव से पहले भाजपा के विन-विन पोजिशन में रहने के बावजूद शिवसेना से गठबंधन करना और दूसरे चुनावी नतीजे आने के बाद अजित पवार पर भरोसा करना और एकदम सुबह राजभवन में उनके साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेना, उनकी राजनीतिक भूल थी। विधानसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद फडणवीस राजनीति रूप से अधिक परिपक्व हुए। उन्हें शिद्दत से एहसास हुआ कि कौन उनका असली साथी है और कौन हाथ में कटार लेकर उनके साथ है। बतौर विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस कभी घर नहीं बैठे। यहां तक कि जब

कोरोना महामारी के कारण अनिच्छा से मुख्यमंत्री पद स्वीकार करने वाले उद्धव ठाकरे माताश्री से बाहर ही नहीं निकलते थे, वहीं फडणवीस राज्य का दौरा करते रहे और लोगों का दुख-दर्द बांटते रहे। कोंकण जैसी आपदा समेत कई जगह तो फडणवीस या उनके लोग सरकार से पहले पहुंच जाते थे। इससे राज्य की जनता का फडणवीस में भरोसा बढ़ता ही गया। राज्य के लोग भी मानने लगे कि 2019 के चुनाव में जिसे उन्होंने मुख्यमंत्री बनाने के लिए गठबंधन को वोट दिया था, उसे राजनीतिक साजिश के तहत भले सत्ता नहीं मिल पाई लेकिन वह नेता उनसे कटा नहीं है।कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान फडणवीस उतने ही सक्रिय रहे, जितने सक्रिय वह राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए थे। उनकी सक्रियता का आलम यह था कि वह दो-दो बार वह कोरोना से संक्रमित हुए, लेकिन जनता की सेवा करने के अपने इरादे से विचलित नहीं हुए। यही बात फडणवीस के पक्ष में जाती है। की राजनीति में फडणवीस का ग्राफ बहुत तेज़ी से बढ़ा है। राजनीतिक पंडित मानने लगे हैं कि फडणवीस में भाजपा की अगली पीढ़ी के शीर्ष नेता बनने की पूरी कूव्वत है और जब नरेंद्र मोदी राजनीति से संन्यास की घोषणा करेंगे तो उनके उत्तराधिकारियों की फेहरिस्त में फडणवीस प्रमुख तीन लोगों में होंगे। उद्धव ठाकरे को ना माया मिली ना राम मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में यही कहा जा सकता है कि पवार के झांसे में आकर सेक्यूलर बनने का उनका फैसला ब्लंडर साबित हुआ और इस चक्कर में उन्होंने अपने पिता की विरासत को भी गंवा दिया। राजनीतिक हलकों में 22 जून से ही कहा जा रहा है कि वर्षा छोड़ते समय उद्धव सीएम पद भी छोड़ दिए होते तो थोड़ी सहानुभूति मिलने की गुंजाइश रहती। उद्धव को 10 जून 2022 को राज्यसभा चुनाव में एहसास हो गया था कि शिवसेना पर से उनकी पकड़ ढीली पड़ गई है और बगावत के दूसरे दिन यानी 22 जून से ही उद्धव को पता चल गया था कि बग़ावत करने वाले शिवसेना विधायक किसी भी कीमत पर वापस नहीं लौटेंगे, क्योंकि उन्हें संदेह है कि सेक्यूलर पॉलिटिक्स से वे दोबारा विधायक चुने जा सकेंगे। र्ष 2019 में चुनावी राजनीति में उतरने से पहले उद्धव ठाकरे को जेंटलमैन पॉलिटिशियन माना जाता था। वह अपने पिता की तरह आक्रामक स्वभाव के नहीं, बल्कि विनम्र राजनेता थे। इसीलिए जब बाल ठाकरे ने पुत्र मोह में पड़कर राज ठाकरे की जगह उद्धव को अपना उत्तराधिकारी बनाया तभी राजनीति के टीकाकारों को लगा कि सीनियर ठाकरे ने एक अदूरदर्शी और घातक फैसला ले लिया और कमजोर व्यक्ति एवं अपरिपक्व व्यक्ति को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। इसका नतीजा 2014 के चुनाव में ही देखने को मिला, जब राज्य के भारतीय जनता पार्टी के साथ भगवा गठबंधन में शिवसेना बड़े भाई से छोटी बहन की भूमिका में आ गई। यह शिवसेना के पतन की शुरुआत थी दरअसल, उद्धव ठाकरे ने अगर अपने पिता की विरासत को गंवा दी तो उसके लिए वह उसी तरह जिम्मेदार हैं, जिस तरह 2014 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा-शिवसेना गठबंधन टूटने के लिए भाजपा नेतृत्व को जिम्मेदार माना था और चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बारे में इस तरह का कमेंट किया था, जिससे आम तौर पर परिपक्व नेता बचता है। 2014 के चुनाव प्रचार में उद्धव के भाषण से साफ हो गया था कि उन्हें भविष्य जब भी मौक़ा मिलेगा, वह भाजपा से बदला ज़रूर लेंगे। यहां फडणवीस उनकी मंशा भांपने में असफल रहे।बहरहाल, 2019 में जब भाजपा की विधानसभा में विधायक संख्या 122 से घटकर 106 होते ही उन्हें अपने अपमान का बदला लेने का सही मौक़ा मिल गया। उद्धव ने भाजपा के सामने ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री के कार्यकाल की शर्त रख दी, जबकि भगवा गठबंधन ने फडणवीस के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। इसके बाद ज़ाहिर तौर पर फडणवीस को दोबारा पांच साल के लिए मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा कर चुकी भाजपा ने उद्धव ठाकरे की शर्त सिरे से ख़ारिज कर दी और गठबंधन टूट गया।भाजपा को सबक सिखाने के चक्कर में उद्धव पवार के चक्रव्यूह में फंस गए। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी का गठन किया। सीनियर ठाकरे की परंपरा से हटकर मुख्यमंत्री बने और बेटे को भी मंत्री बना दिया। सीएम बनने के बाद तो हिंदू हृदय सम्राट बाल ठाकरे की शिवसेना सेक्युलर शिवसेना के रूप में ट्रांसफॉर्म होने लगी।उद्धव ने शिवसेना को ऐसी सेक्यूलर राजनीतिक दल बना दिया जो हिंदू विरोधी कार्य करती दिख रही थी। जो ज़िंदगी भर शिवसैनिक राग हिंदू आलापता था, वह समझ ही नहीं पाया कि उद्धव साहेब यह क्या कर रहे हैं। वे देख रहे थे कि हिंदूवादी शिवसेना सरकार हिंदुत्व के पैरोकारों की ही ऐसी की तैसी कर रही है।ढाई साल में शिवसेना हिंदू-विरोधी पार्टी बन गई। इससे शिवसेना विधायकों की हवाइयां उड़ने लगी। उन्हें साफ दिखने लगा कि उद्धव की हिंदू विरोधी नीति से उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा।यही वजह है कि जब एकनाथ शिंदे ने उद्धव का विरोध करने की पहल की तो तो तिहाई से ज्यादा विधायक उनके साथ हो लिए। अब तो भविष्य में उद्धव के साथ रहने वाले 10-12 विधायक और राज्यभर में शाखा प्रमुख के भी शिंदे खेमे में चले जाएं तो हैरानी नहीं होगी।डिस्क्लेमर (अस्वीकरण): यह लेखक के निजी विचार है। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है। अपने विचार हमें पर भेज सकते हैं। लेख के साथ संक्षिप्त परिचय और फोटो भी संलगन करें।

संक्षिप्त समाचार

आतंकियों की तलाश में सांबा-कठुआ के जंगल और नदी-नाले खंगाल रहा है एसओजी

जम्मू। इलाकों मे 24 घंटे की जा रही गश्त, आतंकी मुनीर ने बताए थे कुछ आतंकियों के नाम। आतंकियों की तलाश में सांबा-कठुआ के जंगल और नदी-नाले खंगाल रहा है एसओजी अजय मीनिया, जम्मू सार इलाकों मे 24 घंटे की जा रही गश्त, आतंकी मुनीर ने बताए थे कुछ आतंकियों के नाम। सांबा सेक्टर में गश्त करते जवान सांबा सेक्टर में गश्त करते जवान - फोटो : एएनआई विस्तार पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर सांबा और कठुआ में विशेष तलाशी अभियान चलाया है। दोनों जिलों के नदी-नालों को खंगाला जा रहा है। 24 घंटे इन इलाकों में गश्त की जा रही है। इसके लिए जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जम्मू के खटीकां तालाब में पकड़े गए लश्कर आतंकी फैजल मुनीर ने पूछताछ में बताया कि उसका सांबा और कठुआ में बड़ा नेटवर्क है। समें शामिल स्लीपर सेल के ओजी वर्कर और आतंकी पाकिस्तान से आने वाले विस्फोटक को बरामद कर कश्मीर तक पहुंचाते हैं। मुनीर ने दो से तीन आतंकियों के नाम भी बताए हैं। इनकी तलाश में एसओजी ने बड़ा आपरेशन चलाया है। हालांकि सांबा और कठुआ के दो आतंकी मियां सुहेल और हबीब को मुनीर के साथ ही गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों का कहना है कि एसओजी की ओर से नदी, नाले और जंगलों के रूट पर संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे इनपुट हैं कि सीमा पार से लगातार ड्रोन के जरिए हथियार भेजने की साजिश की जा रही है। कुछ ऐसे रूट हैं, जहां से अब भी असलहा आ रहा है, जबकि कुछ रूट से आतंकी भी घुसपैठ की फिराक में हैं।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के क्रम में आज 30प्र0 राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के माननीय अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भंगेल में स्थित पोषण पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण किया गया, जहाँ पर कुल 08 बच्चे मिले । वहाँ पर पोषण से संबन्धित खान-पान आदि की जानकारी के साथ किचन का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। वहाँ पर उपस्थित तिमारदारो के साथ वार्ता की गयी किसी प्रकार से कोई समस्या से अवगत नहीं कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुनील कुमार शर्मा उपस्थित रहे। तदोपरांत माननीय अध्यक्ष श्री शर्मा के द्वारा जिला कारागार गौतमबुद्धनगर के महिला बैरक में महिलाओं के साथ आवासित छोटे-छोटे बच्चो के साथ मुलाकात करते हुए वार्ता की गयी। 06 वर्ष आयु के दो बच्चों की माता के साथ वार्ता किया गया कि इन बच्चो को उचित शिक्षा के लिए बाल संरक्षण गृह में आवासित करा दिया जाये, ताकि उनको समाज में समायोजित करने में सहायता मिलें। इस अवसर पर बच्चों को फल आदि वितरित किया गया। उक्त के अतिरिक्त जग शान्ती उदयन घर गामा प्रथम स्थित बालिका गृह का निरीक्षण किया गया, जहाँ पर आवासित बालिकाओं से वार्ता की गयी, बालिकाओं के उचित शिक्षा व स्कूल के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी। उपरोक्त भ्रमण कार्यक्रम के पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जनपद स्तरीय अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति को रोकने के संबंध में चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत पात्र लाभाथिच्यो को जोड़े जाने पर बल दिया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र नगर मजिस्ट्रेट, सहायक पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), अतुल कुमार सोनी जिला प्रोबेशन अधिकारी, के0सी0 विरमानी अध्यक्ष बाल कल्याण समिति उपस्थित रहें।

भाजयुमो अध्यक्ष ने भाजपा के नवनिर्वाचित पार्षदों को जीत की दी बधाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। नगर पालिका परिषद पर 24 वार्डों में से 11 पर भाजपा की प्रचंड जीत हुई जहां भाजपा के 11 पार्षद उम्मीदवारों ने जीत का परचम लहरा अपना कब्जा स्थापित किया। उन सभी नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों को भारतीय जनता युवा मोर्चा के बदेरा मंडल अध्यक्ष अनूप सिंह बुंदेला (राजा भैया) ने बधाई देते हुए कहा कि यह भाजपा के सुशासन तथा विकास की नीतियों की बड़ी जीत है। श्री बुंदेला ने आगे कहा यह समन्वय, सामंजस्य और सहयोग का यह अप्रतिम उदाहरण है, इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के प्रति जनता का निरंतर विश्वास बढ़ा है, इसलिए उन्होंने कहा कि आप सब पार्षद अपने अपने वार्ड का चौमुखी कार्य कर मैहर में विकास की गाथा गढ़े। ताकि जनता के बीच भाजपा के प्रति विश्वास हमेशा जगा रहे। श्री बुंदेला ने सभी पार्षदों को पुनः बधाई देते हुए उन्हें वार्ड के विकास का हर संभव प्रयास करने की बात कही उन्होंने निर्वाचित वार्ड पार्षदों को क्षेत्र के विकास के लिए सक्रिय रहने एवं हर संभव सहयोग करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपनन् कराने को लेकर जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन एवं मैहर नगरपालिका की जनता को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए। भारतीय जनता पार्टी, भाजयुमो के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बता दें कि सतना जिले के मैहर नगर पालिका परिषद में 24 वार्ड थे जिनमें 11वार्ड पर बीजेपी का कब्जा रहा। जहां वार्ड (1) गीता संतोष सोनी (2)ईश्वर दीन कोरी, (4)केशव प्रसाद कुशवाहा, (7)गीता राजू, (9)निधि प्रजापति, (10)रवि सराफ, (17)शीतल नितिन ताम्रकार, (19)प्रीति मनीष पाठक, (21)अशोक कुमार चौबे, (23)रितु कोल, (24)जितेंद्र पांडे सामिल है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन बीएसएफ की गोलीबारी

जम्मू। तलाशी अभियान जारी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की तरफ से शुक्रवार को रात नौ बजकर 40 मिनट पर कनाचक

इलाके में एक चमकती लाल बत्ती देखी गई। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने उस पर गोलीबारी की। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की नापाक हरकत जारी है। शुक्रवार की रात 9:40 बजे बीएसएफ के जवानों ने कनाचक इलाके में पाकिस्तान की ओर से एक चमकती रोशनी देखी। इस पर बीएसएफ के अलर्ट जवानों ने फायरिंग की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से शुक्रवार को रात नौ बजकर 40 मिनट पर कनाचक इलाके में एक चमकती लाल बत्ती देखी गई। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने उस पर गोलीबारी की शनिवार को सैनिकों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया है, जो अभी भी जारी है। इससे पहले, पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था, जिसके सात सदस्यों को गिरफ्तार किया गया थी।

नादान देहात क्षेत्र में 11हजार केवी की तार के चपेट मैं एक दर्जन से ऊपर गायों की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमाटोला में बिजली कई जगह के खंभे टूटे हुए है कई जगह तार धरती से छू रही है जिसमें इन कर्मचारियों को सूचना दी जाती है तो यह उस बात को अनसुना

विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण 11 हजार केवी की तार के नीचे करीब एक दर्जन से ऊपर गायों की हुई मौत ग्रामीण के लोगों का कहना है कि तार टूटने की सूचना लाइनमैन को दी गई थी लोगों का कहना यह भी है कि अभी भी कर देते हैं इन्हें कोई काम करने के लिए रुपया चाहिए एक फ्यूज भी जोड़ना है तो इन लोगों का खर्चे का डिमांड रहता है हर क्षेत्र से ज्यादा देहात क्षेत्र के बिजली विभाग के अधिकारी किसानों और लोगों को परेशान करते है

आवंटन निरस्त होने पर सेक्टर 9 बाजार बंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। लीज डीड के उल्लंघन पर आवंटन निरस्त करने के नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को उद्यमियों और व्यापारियों ने सेक्टर-9 के बाजार को बंद कर दिया। वे सड़कों पर घूम-घूमकर प्राधिकरण की कार्रवाई का विरोध जता रहे हैं। उद्यमियों का कहना है कि इस मामले में मुख्यमंत्री से शिकायत की जाएगी। वहीं, वाट्सएप ग्रुपों पर भी वार शुरू हो गई है। प्राधिकरण के अधिकारियों को ग्रुप से हटाया जा रहा है। दरअसल, हाईकोर्ट में चल रहे मामले में जैसे ही प्राधिकरण अफसरों को फटकार लगी, अथॉरिटी ने चिह्नित की गई 17 फैक्ट्रियों में से 6 का आवंटन निरस्त कर दिया। इन सभी में सेटबैक के स्थान पर निर्माण और व्यावसायिक गतिविधि चल रही थीं। प्राधिकरण ने रिस्टोर कराने का विकल्प उद्यमियों को दिया गया है। इसमें रिस्टोर कराने की फीस और शर्तें मानने के लिए फैक्ट्री मालिक को एक शपथ पत्र देना

होगा। इस शपथ पर अंतिम निणय सीईओ का होगा। जिन फैक्ट्रियों का आवंटन निरस्त हुआ है, उनमें सेक्टर-9 के जी-132, एच-45, एच-021, आई-013, एच-088 और सी-002 शामिल हैं। इसके अलावा सेक्टर- 4 के बी-44, सी-39, सी-40, सी-77 और सेक्टर-9 के एच-13, आई-45, एच-76, एच-1, एच-2, एच-107 व जी-131 को चिह्नित किया गया है। इनका आवंटन भी निरस्त किया जाएगा।

ज. पं. उचेहरा क्षेत्र के श्याम नगर शा. ऊ. मा. विद्यालय का हाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। ऊँचेहरा जनपद क्षेत्र अंतर्गत श्यामनगर शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय पहुँच मार्ग जरा सी बारिस होने पर पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो चुका है। छात्र -छात्राओं को स्कूल आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग में कीचड़ होने की वजह से छात्राएं साइकिल नहीं चला पा रही है। अनेक बार बच्चे गिरकर चोटिल हो रहे है, उनके कपड़े खराब हो रहे हैं।

जनवरी में पेंशन प्राप्त निराश्रित महिलाओं को आगामी किस्त जुलाई में की जायेगी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला प्रोबेशन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अतुल कुमार सोनी ने बताया कि प्रायः देखा जा रहा है कि ह्वपति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन' योजना के अंतर्गत के लाभार्थी अनावश्यक रूप से परेशान होकर पेंशन धनराशि की जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिनन् कार्यालयों में चक्कर लगा रहे हैं साथ ही पेंशन काटे जाने की शिकायतें की जा रही है। उन्होंने समस्त लाभार्थियों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि जिन लाभाथिच्यों को माह जनवरी में पेंशन की धनराशि प्राप्त हुई है उनकी पेंशन धनराशि की आगामी किस्त माह जुलाई 2022 में प्रदान की जायेगी। अतः समस्त लाभार्थी अनावश्यक रूप से परेशान न हो।

धान के प्रमुख कीट/रोग एवं खरपतवार के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी की एडवाइजरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने समस्त कृषकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि खरीफ में धान की मुख्य फसल है जिसमें कीट/रोग के प्रकोप से खाद्यानन् उत्पादन प्रभावित होता है। इसलिए धान की फसल के कीट/रोग के प्रकोप एवं खरपतवार के रोकथाम के लिए तत्काल उपाय अपनाये जाये?। किसान द्वारा धान की फसल की प्रतिदिन निगरानी करते रहें। कीट/रोग की पहचान व उपचार के लिए देखें बिंदुवार विस्तृत रिपोर्ट- 1. दीमक एवं जड़ की सूंडी : पहचान-जड़ की सूंडी के गिडार उबले हुए चावल के समान सफेद रंग की होती है जो जड़ के बीच के भाग को खाकर नष्ट कर देती है, जिसमें पौधे पीले पडकर सूख जाते है। दीमक एक सामाजिक कीट है, इसमें 90 प्रति0 श्रमिक तथा 2-3 प्रति0 राजा रानी व सैनिक पीलापन लिये सफेद रंग के होते है। यही धान की फसल की जड़ों को खाकर हानि पहुंचाते हैं। प्रचार-इन दोनों कीट को रोकथाम के लिए क्लोरोपाइरीफॉस 20 प्रति0 ई0सी0 की 2.50 ली0 मात्रा प्रति हे0 के हिसाब से सिचाई के पानी के साथ प्रयोग करना चाहिए। 2. पत्ती लपेटक, तना, बेधक, बन्का एवं हिस्पा कीटः पहचान-पत्ती लपेटक कीट की सूडिंया पत्तीयों को लम्बाई में मोड़कर अन्दर से हरे भाग को खाती है। तना बेधक कीट की मादा पत्तियों पर समूह में अण्डे देती है। अण्डों से सुडिंया निकलकर मुख्य प्ररोह को हानि पहुँचाती है, जिससे बालिया आने पर वे सूखकर सफेद दिखाई पडती है। हिस्पा कीट के गिंडार पत्तियों में सुरंग बनाकर हरे भाग को खाते है, जिससे पत्तियों पर फफोले जैसी आकृति बन जाती है तथा प्रौढ कीट पत्तियों के हरे भाग को खाते है। उपचार- काबीफयूरान 3.0 जी0 दानेदार 20.0 किग्रा अथवा कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड 4.0 जी0 दानेदार 18-20 किग्रा मात्रा 3.5 सेमी0 स्थिर पानी में भुरकाव करें अथवा क्यूनालफास 25 प्रति0 ई0सी0 की 1.5 ली0 मात्रा को 500-600 ली0 पानी में घोलकर छिड़काव करें। 3. खैरा रोगः पहचान- यह रोग जिंक की कमी के कारण होता है, जिसमें पत्तियां पीली पड़ जाती है, जिस पर बाद में कत्थई रंग के ध बन जाते हैं। उपचार- इसके उपचार के लिए जिंक सल्फेट 21 प्रति0 किग्रा0 यूरिया के साथ 1000 ली0 पानी में घोलकर प्रति0 हे0 की दर छिड़काव करें। 4. शीथ ब्लाईटः पहचान- इस रोग का प्रकोप अधिक वर्षा एवं जल मगन्ता की स्थिति में अधिक होता है। प्रकोप की दशा में शीथ पर धब्बे बनते है, जिसका किनारा गहरा भूरा तथा मध्य भाग हल्के रंग का होता है। उपचार- कार्बेन्डाजिम 5 प्रति0 डब्लू0पी0 500 ग्राम अथवा प्रोपिकोनाजॉल 25 प्रति0 500 मिली0 मात्रा को 500-700 ली0 पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। 5. जीवाणु झुलसा एवं जीवाणु धारी झुलसाः पहचान- जीवाणु झुलसा रोग में पत्तियां नोक अथवा किनारे से सूखने लगती है। सूखे हुए किनारे अनियमित एवं टेढ़े-मेढ़े हो जाते है। जीवाणुधारी झुलसा में पत्तियों पर नसों के बीच में कत्थई रंग की लम्बी-लम्बी धारियाँ बन जाती है। उपचार- स्ट्रप्टोसाइक्लीन की 15 ग्रा0 व कॉपर आक्सीक्लोराइड की 500 ग्रा0 मात्रा को 600 ली0 पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। 6. खरपतवार नियंत्रणः जनपद गौतमबुद्धनगर में धान की रोपाई हुए 20-25 दिन हो चुका है, अगर किसी कृषक के धान के खेत में खरपतवार की समस्या हो तो चौड़ी एवं संकरी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिये विषपायरीबैक सोडियम 10 प्रति एस0सी0 0.2 ली0 रोपाई के 15-20 दिन बाद नमी की अवस्था में लगभग 500 ली0 पानी में घोलकर फलैट फैन नोजल से छिड़काव करना चाहिए। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिये मेटसल्फयूरान मिथाइल 20 प्रति0 डब्लू0पी0 की 20 ग्रा0 मात्रा अथवा 2-4 डी0 इथाइल एस्टर 36 प्रति0 ई0सी0 की 2.5 ली0 मात्रा को 500 ली0 पानी में घोलकर फलेट नोजल से छिड़काव करना चाहिए।

अल्ट्राटेक सीमेंट की नई माइंस पर विष्णुधर ने प्रबंधन को चेताया

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मैहर में स्थापित रिलायंस सीमेंट (वर्तमान में अल्ट्राटेक)की नई माइंस खदान खोलने के संबंध में नादन सर्किल के ग्राम चपना में पब्लिक हियरिंग आयोजित हुई। इस कार्यक्रम में पर्यावरण एवम् प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कमिशन्र,अल्ट्राटेक सीमेंट प्रबंधन के अधिकारियों सहित क्षेत्रीय गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही तथा सभी ने अपने अपने सुझाव भी रखे। इस अवसर पर पं0 रामनिवास उरमलिया के विशेष प्रतिनिधि की आसंदी से बोलते हुए विष्णुधर उरमलिया ने कहा कि नई माइंस की खोले जाने का वह किसी भी तरह का विरोध नहीं करते बशर्ते प्रबंधन के इस कारोबार से सार्वजनिक समस्यायें खड़ी न हों। उन्हों ने कहा कि ग्राम चपना,तमुरिया,बाठिया करौदी एवम्

बरहिया आदि ग्राम इस नई माइंस से प्रभावित हो रहे हैं ।प्रबंधन को चाहिए कि पृथक से अपना परिवहन मार्ग बनाए ताकि बस्तियों में प्रदूषण न हो साथ ही दुर्घटनाएं न घटित हो सकें।इसके अलावा प्रबंधन को चाहिए कि नियमानुसार प्रभावित ग्रामों को मूलभूत सुविधा से जोड़कर उक्त ग्राम के लोगों को उनकी योग्यतानुसार रोजगार भी उपलब्ध कराए ताकि सब कुछ ठीक ठाक चलता रहे।इसके अलावा विष्णुधर उरमलिया ने यह भी कहा कि जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण की जाए उसमें बिचौलियों को दूर रखा जाए।प्रबंधन और किसान के बीच सीधी बात हो। श्री उरमलिया ने प्रभावित ग्रामों को पेयजल एवम् स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ने तथा तालाबों के गहरीकरण/सौंदर्यीकरण कराए जाने की भी बात कही।

अन्त्योदय का उदय के साथ महिला सशक्तिकरण को सार्थक करता परिणाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सामाजिक न्याय और समानता की प्रतीक, सरल सौम्य सशक्त व्यक्तित्व आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति चुनाव में भारत की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देने और जीत की खुशी को एक दूसरे के साथ बाटने के लिए, भाजपा नोएडा महानगर , महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी जी , महामंत्री शिवानी शरद जी,जिले की पदाधिकारी बहनो के साथ उषा किशोर जी और उनकी समस्त टीम ने मिलकर लड्डु बाटने के साथ साथ एक-दूसरे का मुह मीठा कराया। भाजपा नोएडा महानगर की मंडलो की बहनो ने भी मिठाइयां वितरित की और एक-दूसरे का मुह मीठा कराया। इस जीत मे हर महिला अपनी पार्टी के साथ साथ अपनी जीत को सोचकर और महसूस करके खुशी से भावविभोर हो रही थी। भाजपा नोएडा महानगर महिला मोर्चा का ये जशन देर शाम तक चलता रहा।

राष्ट्रपति पद पर एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत के साथ नोएडा भाजपा ने मनाया हर मंडल में ढौल नगाड़ों के साथ जशन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राष्ट्रपति पद पर एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की बड़ी जीत के साथ पूरे नॉएडा में जशन का माहौल रहा। भाजपा के हर मंडल में ढौल नगाड़ों के साथ पूरे धूम धाम से जशन मनाया गया। कई जगह दीया जलाए गए तो कहीं मिठाइयाँ बाँटी गयी। कार्यक्रम को पूर्ण ढंग से व्यवस्थित करने के लिए भाजपा ने हर मंडल में कार्यक्रम प्रभारी और सह प्रभारी की ड्यूटी भी लगाई। महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि देश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला देश की सवीचय पद को सुशोभित करने जा रही हैं। ये सिर्फ. भारतीय जनता पार्टी में ही हो सकता है जहाँ हर वर्ग और हर व्यक्ति को साम्मन मिलता है। कार्यक्रम के प्रमुख महामंत्री गणेश जाटव ने बताया कि हर मंडल में इस प्रकार व्यवस्था बनाई है जिससे सभी जि.ले के लोग पूरे नॉएडा में इस ख़ुशी के पल को पूरे धूम धाम से माना सकें। अटल बिहारी वाजपाई मंडल में उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा और मंत्री चमन आवना साथ ही माँगे राम वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। प. दिन दयाल उपाध्याय मंडल में उपाध्यक्ष महेश आवना और मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर साथ ही अनिल पेशवारिया वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। कृष्णा नगर मंडल में उपाध्यक्ष मनीष शर्मा और मंत्री एस पी चमोली साथ ही देवेंद्र शर्मा वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। महाराणा प्रताप मंडल में उपाध्यक्ष युद्धवीर चौहान और मंत्री प्रमोद बहल साथ ही ओम् पल चौहान वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। शहीद भगत सिंह मंडल में उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला और मंत्री राजकुमार झा साथ ही गौतम शर्मा वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। सैनिक विहार मंडल में उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता और मंत्री मनोज चौहान साथ ही राज कुमार चौहान वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में में उपाध्यक्ष गिरजा सिंह और मंत्री रवि यादव साथ ही अजित पांडेय वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। सरस्वती शिशु मंडल में उपाध्यक्ष योगेन्द्र चौधरी और मंत्री अमरीश त्यागी साथ ही प्रदीप शर्मा वहाँ के कार्यक्रम प्रमुख रहे। सभी जिले के पदाधिकारी, मोचीं के अध्यक्ष और पदाधिकारी एवं समस्त जिला के कार्यकर्ता ने सभी कार्यक्रम इस सभी मंडलों में ही मनाए और जन सम्पर्क कर आम जन को अपनी नवनिर्वचित राष्ट्रपति के बारे में बताया। इस मौक़े पर महामंत्री चंदगिराम यादव, उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, मंडल अध्यक्ष कल्लू सिंह, अशोक मिश्रा, सूरज पाल राणा, लोकेश कश्यप, बबलू यादव, पंकज झा, गोपाल गौर, हर्ष चतुर्वेदी, उमेश यादव, शारदा चतुर्वेदी, ओमवीर अवाना, राम निवास यादव, डॉक्टर प्रशंजित मैत्रा, लोकेश यादव, अनिल गुप्ता जी ,महेंद्र कटारिया, अनिल पेशावरिया, शशिधर उपाध्याय ,शाईनी मुरलीधरन। वीरेंद्र तोमर, अजय, अमित, महेंद्र सिंह, पंचोली, अंजु एवं समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीबीएसई बोर्ड के बारहवी परीक्षा परिणाम मे नोएडा की लडकियों ने मारी बाजी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर सीबीएसई बोर्ड के 12वीं क्लास का परिणाम आज घोषित कर दिया गया है जिसमें बुलंदशहर की रहने वाली तान्या सिंह व नोएडा के एमिटी

स्कूल कि छात्रा युवाक्षी विग ने 500 अंकों में से 500 अंक प्राप्त कर सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जहाँ एक तरफ बुलंदशहर की छात्रा तान्या सिंह ने डीपीएस स्कूल का नाम रोशन किया है। वहीं नोएडा की युवाक्षी विग ने सीबीएसई की 12 वीं परीक्षा में ऑल इंडिया टॉप कर नोएडा के एमिटी स्कूल का नाम रोशन किया हैं। जिससे बुलंदशहर के डीपीएस स्कूल व नोएडा के एमिटी स्कूल में ख़ुशी का माहौल बना हुआ हैं वही तान्या व युवाक्षी विग के परिवार के लोग बहुत खुश हैं। वही दूसरे स्थान पर तीन स्टूडेंट्स हैं। और तीनों ही छात्रा हैं. जिनमें दीपिका बंसल, भूमिका गुप्ता और राधिका अग्रवाल को दूसरा स्थान मिला है. इन तीनों छात्राओं ने 500 में से 499 अंक हासिल किए हैं.वहीं, सीबीएसई बोर्ड के 12वीं क्लास के टॉपर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर नेहा सोलंकी रही हैं. उन्हें 500 में से 498 नंबर हासिल हुए हैं। आपको बता दें कि आज सीबीएसई बोर्ड कि 12 वीं क्लास परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया हैं। इस बार फिर लड़कियों ने बाजी मारी हैं इस बार उत्तरप्रदेश की एक और बेटी ने प्रदेश का नाम रोशन किया हैं जो बुलंदशहर के दिल्ली पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा तान्या सिंह हैं जिसने सीबीएसई की 12 वीं परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया टॉप कर उत्तरप्रदेश के साथ साथ अपने स्कूल का नाम रोशन किया हैं वही नोएडा के एमिटी स्कूल में पढ़ने वाली 12वीं कक्षा की छात्रा युवाक्षी विग ने भी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया टॉप कर अपने स्कूल का नाम रोशन किया हैं। वही दूसरे स्थान पर दीपिका बंसल, भूमिका गुप्ता व राधिका रही जिन्होंने 500 अंकों में से 499 अंक हासिल किए हैं जबकि बुलंदशहर के डीपीएस स्कूल की नेहा सोलंकी ने टॉपर लिस्ट में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए 500 अंकों में से 498 अंक प्राप्त किया।

दर्शकों को फिर हंसाने के लिए तैयार कपिल शर्मा

नई दिल्ली । इस दिन आएगा नए शो का पहला एपिसोड'द कपिल शर्मा शो' टीवी का पॉपुलर कॉमेडी शो है, जो बीते कुछ समय से ऑफ एयर है। लेकिन अब इस शो का नया सीजन जल्द ही दर्शकों को हंसाने के लिए आ रहा है। कपिल शर्मा पॉपुलर कॉमेडियन है, जिनका चैट शो 'द कपिल शर्मा शो' दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जाता है। इस चैट शो के कई सीजन आ चुके हैं, जिसमें हमेशा ही सिनेमा जगत के सितारे अपनी फिल्म या फिर गानों का प्रमोशन करने आते हैं। लेकिन इन दिनों कपिल शर्मा का यह शो ऑफ एयर है। ऐसे में फैंस इस शो के नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे है और अब दर्शकों का यह इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। कपिल शर्मा जल्द ही अपने शो को नए रूप में दर्शकों के बीच लेकर आएंगे और मेकर्स ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कपिल शर्मा के नए शो के पहले एपिसोड की तारीख बताई गई है। दावा है कि कपिल शर्मा और उनकी पूरी टीम 3 सितंबर को टीवी पर वापसी कर रहे हैं। इसी दिन उनके शो का पहला एपिसोड ऑनएयर होगा। बीते दिनों भी शो से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि मेकर्स नए सीजन को सुपरहिट बनाना चाहते हैं। ऐसे में शो में कुछ और पॉपुलर कॉमेडियन को जोड़ा जाएगा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग फैंस का दिल जीत लें। बता दें कि कपिल शर्मा की टीम में भारती सिंह, किकू शारदा, कृष्णा अभिषेक, चंदन प्रभाकर, सुमोना चक्रवर्ती जैसे कलाकार हिस्सा रहे हैं। शो ऑफ एयर होने के बाद ये तमाम सितारे अमेरिका और कनाडा में अपना ब्रेक एंजॉय करते दिखे। इन दिनों 'द कपिल शर्मा शो' की टाइमिंग पर सोनी टीवी पर 'इंडियाज लाफ्टर चैलेंज' ऑनएयर हो रहा है, जिसमें अर्चना पूरन सिंह और शेखर सुमन बतौर जज नजर आ रहे हैं। जल्द ही शो का ग्रैंड फिनाले होने वाला है। माना जा रहा है कि इसी स्लॉट पर कपिल अपने शो से वापसी करेंगे।

रणबीर और संजय दत्त के कांधों पर टिकी 'शमशेरा'

नई दिल्ली । बाकी फिल्म बनी 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तां 2'रणबीर कपूर की बड़े परदे पर चार साल बाद हुई वापसी की फिल्म 'शमशेरा' से तमाम उम्मीदें लगाए बैठे उनके प्रशंसकों के इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं और शुक्रवार को फिल्म दुनिया भर के साढ़े पांच हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हो गई। यश राज फिल्म्स के लिए उसका स्वर्ण जयंती साल ठीक नहीं रहा है और इस साल की कंपनी की आखिरी रिलीज फिल्म 'शमशेरा' का भी बॉक्स ऑफिस पर सफर कठिन दिख रहा है। फिल्म की कहानी काफी हद तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय रहे सुल्ताना डाकू से प्रेरित है। फिल्म में नगीना भी है और पहले चिट्ठी भेजकर डकैती डालने के सुल्ताना डाकू के प्रसंग भी है। और हां, सुल्ताना डाकू को पकड़ने के लिए बुलाए गए असल अंग्रेज अफसर फ्रेडी यंग के नाम वाला अंग्रेज अफसर भी यहां मौजूद है। फिल्म को सोचने और फिल्म को बनाने में यहां बस उतना ही फर्क है जितना कि ओपनिग क्रेडिट में फिल्म की लेखिका खिला बिष्ट का नाम हिंदी में खिला 'बीस्ट' लिखने में।

वीकेंड को बनाना चाहते हैं मजेदार, तो आज ही देख डालें हंसी से भरपूर ये वेब सीरीज

नई दिल्ली । हफ्ते भर की भागदौड़ के बाद हर इंसान चाहता है कि उसका वीकेंड सुकून से गुजरे। ऐसे में ज्यादातर लोग अपनी छुट्टी वाले दिन को अलग-अलग तरीके से खुशनुमा बनाने की कोशिश करते हैं। अगर आप भी अपना यह वीकेंड अच्छा बनाना चाहते हैं तो हम आपके लिए ऐसी कॉमेडी वेब सीरीज की लिस्ट लाए हैं जिससे आप अपने छुट्टी वाले दिन को और अधिक मनोरंजक बना सकते हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन जाकिर खान की वेब सीरीज 'चाचा विधायक हैं हमारे' इस वीकेंड पर आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। वेब सीरीज में एक ऐसे लड़के की कहानी दिखाई गई है, जो एक जैसे सरनेम की वजह से इलाके के विधायक के नाम पर अपना भौकाल जमाता है। इस वेब सीरीज को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा सकता है। साल 2015 में रिलीज हुई यह वेब सीरीज टीवीएफ की एक शानदार पेशकश थी। इस शो की कहानी चार युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते हैं। इसके लिए वह अपनी जॉब तक छोड़ देते हैं। इसी सीरीज की कहानी को बड़े ही रोचक ढंग से दिखाया गया है जो आपको बहुत पसंद आएगी। इस वेब सीरीज को आप एमएक्स प्लेयर पर बिलकुल मुफ्त में देख सकते हैं। हाल ही में रिलीज हुई जितेंद्र कुमार की 'पंचायत 2' लोगों को काफी पसंद आई थी। इस सीरीज में जितेंद्र ने सचिव जी का किरदार निभाया है। सीरीज में नीना गुप्ता और रघुवीर यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है। अगर आप भी कॉमेडी वेब सीरीज देखने का शौक रखते हैं तो आपको यह वेब सीरीज जरूर देखनी चाहिए। इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा सकता है। इस वेब सीरीज को देखने के बाद हॉस्टल में रह चुकी ज्यादातर लड़कियों की यादें ताजा हो जाएंगी। इस सीरीज की कहानी को हॉस्टल में रहकर पढ़ने वाली लड़कियों के इर्द-गिर्द बुना गया है। शो में लड़कियों के दो गुटों को दिखाया गया है जो एक दूसरे के दुश्मन हैं। इस वेब सीरीज के दोनों सीजन को सोनी लिव पर देखा जा सकता है।

बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी 'जुगजुग जियो'

नई दिल्ली । शुरू हुई ध्ऊऊ पर दर्शकों को आकर्षित करने की जद्दोजहदवरुण धवन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'जुगजुग जियो' 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें एक पंजाबी फैमिली का ड्रामा देखने को मिला था। हालांकि, फिल्म में कॉमेडी का तड़का भी लगाया गया था और अब रिलीज के ठीक एक महीने बाद यह फिल्म ओटीटी पर भी आ गई है। यानी जो लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों नहीं देख पाए हैं वो अब इस फैमिली ड्रामे को अपने फोन पर आसानी से देख सकते हैं। आइए बताते हैं किस प्लेटफॉर्म पर यह फिल्म आई है। राज मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'जुगजुग जियो' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर आज यानी 22 जुलाई से स्ट्रीम हो गई है। अमेजन पर यह फिल्म भारत समेत 240 देशों में आसानी से स्ट्रीम हो रही है। ऐसे में अगर आप लोगों ने इस फिल्म को अब तक नहीं देखा है, तो आप अमेजन का सब्सक्रिप्शन लेकर इस फिल्म को देख सकते हैं। जुगजुग जियो' एक पंजाबी परिवार की कहानी है। इसमें वरुण धवन और कियारा आडवाणी पति-पत्नी की भूमिका में हैं, जिनके बीच एक समय पर बहुत प्यार होता है लेकिन समय से साथ दोनों के बीच लड़ाई भी होने लगी थी। इसी वजह से दोनों तलाक लेना चाहते हैं। विदेश में रहने वाला ये जोड़ा जब भारत अपने घर पहुंचता है और अपने तलाक को लेकर घर में बात करना चाहता है तो उन्हें पता चलता है कि परिवार में तो अलग ही खिचड़ी पक रही है। यहीं से फिल्म रोमांचक मोड़ लेती है। इसमें वरुण और कियारा के अलावा अनिल कपूर, नीतू कपूर और मनीष पॉल भी मुख्य भूमिका में हैं। राज मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'जुगजुग जियो' का कुल बजट 105 करोड़ के आसपास का रहा है, जिसे धर्मा प्रोडक्शंस और वायकॉम 18 स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाई थी। फिल्म ने पहले वीकएंड तक लगभग 50 करोड़ का कलेक्शन किया था और फिल्म का टोटल कलेक्शन लगभग 84 करोड़ के आसपास का रहा है।

जय प्रकाश नारायण के रोल में नजर आए अनुपम खेर

नई दिल्ली । सामने आया रणवीर का बोल्ड अवतारबॉलीवुड के दो बड़े सुपरस्टार अनुपम खेर और रणवीर सिंह का हैरान कर देने वाला लुक रिवील हुआ है। फिल्म 'इमरजेंसी' से सामने आए अनुपम खेर के लुक ने सिनेप्रेमियों का उत्साह बढ़ा दिया है। वहीं रणवीर के लुक ने सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ ला दी है। मनोरंजन जगत की इन्हीं छोटी-बड़ी खबरों से खुदको अपडेट रखने के लिए पढ़ते रहिए अमर उजाला का लाइव ब्लॉग- मार्क ग्रिएनी की लिखी किताब 'द ग्रे मैन' पर इसी नाम की बनी नेटफ्लिक्स की फिल्म को बनाने में कहते हैं कि 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 1598 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। दुनिया भर में घूमती फिल्म 'द ग्रे मैन' की चर्चा भारत में इसलिए होती रही कि इसमें तमिल सिनेमा के सितारे धनुष भी काम कर रहे हैं। वरुण धवन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'जुगजुग जियो' रिलीज के ठीक एक महीने बाद ओटीटी पर आ गई है। जो लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों नहीं देख पाए वो अब इस फैमिली ड्रामे को अपने फोन पर आसानी से देख सकते हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि आप इस फिल्म को किस प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।हिंदी फिल्म 'लाइगर' के म्यूजिक रिलीज पर मुंबई पहुंचे विजय ने जिस सादगी से लोगों के सामने खुद को पेश किया, उससे लोग उनके कायल हो गए। इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तो रणवीर सिंह थे लेकिन उनकी चमक दमक, उनका अति उत्साह सब विजय की सादगी के आगे फीका पड़ गया।रणवीर सिंह की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इन तस्वीरों के सामने आते ही तहलका मच गया है। दरअसल, एक्टर ने एक मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट कराया, जिसकी तस्वीर सामने आते ही आग की तरह वायरल हो रही है।कश्मीरी पंडित का किरदार निभाने के बाद अब अनुपम खेर, कंगना रणौत की फिल्म में दिवंगत राजनेता जयप्रकाश नारायण का रोल अदा करते हुए नजर आएंगे।

पूजा बेदी से आमिर खान तक, ये सितारे भी कैमरे के सामने कपड़े उतारने में नहीं रहे पीछे

नई दिल्ली । रणवीर सिंह हमेशा अपने अतरंगी फैशन के लिए जाने जाते हैं। किसी इवेंट से लेकर एयरपोर्ट लुक तक हर बार वह अपने कपड़ों के जरिए चर्चा का विषय रहते हैं। इसको लेकर वह कई बार ट्रोलिंग का शिकार भी होते हैं, लेकिन रणवीर को कोई फर्क नहीं पड़ता है। इन सबके बावजूद वह बेफिक्र रहते हैं और अपने फैशन सेंस से कोई समझौता नहीं करते। हाल ही में रणवीर ने एक मैग्जीन के लिए फोटोशूट कराया है, जिसमें वह बिना कपड़ों के नजर आए हैं। रणवीर का ये फोटोशूट लोगों में चर्चा का विषय का है। लेकिन ऐसा करने वाले रणवीर पहले शख्स नहीं हैं। उनसे पहले भी कई सितारे कैमरे के सामने बिना कपड़ों के नजर आ चुके हैं और उनको लेकर उस दौरान खूब बवाल भी हुआ था। तो चलिए आपको बताते हैं वो कौन से सितारे हैं। मिलिंद सोमन ने 1995 में एक जूते के विज्ञापन के लिए मधु सप्रे के साथ न्यूड फोटोशूट कराया था। मिलिंद की यह विवादित तस्वीर मॉडलिंग जगत में आइकॉनिक मानी जाती है।

हालांकि उस वक्त भी मिलिंद की [illegible] आलोचना की गई थी। इस तस्वीर में मिलिंद और मधु सप्रे ने सिर्फ उस कंपनी के जूते पहने हुए थे। दोनों के बीच सिर्फ एक अजगर नजर आता है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद काफी बवाल मचा था। बवाल के बाद इसके फोटोग्राफर पीडी गुप्ता की गिरफ्तारी तक की नौबत आ गयी थी। आमिर खान की फिल्म पीके तो आपको याद ही होगी। इस फिल्म के एक सीन में आमिर खान बिना कपड़ों के नजर आते हैं।

दर्शकों को भा गई रणबीर कपूर की अदाकारी, तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठे सिनेमाघर

नई दिल्ली । चार साल के लंबे ब्रेक के बाद आखिरकार आज रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। जब से इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, तब से फैंस इसको देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। ट्रेलर देखने के बाद से ही फिल्म बुकिंग के कारोबार से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये भूल भुलैया 2 के बाद ये फिल्म भी सुपरहिट साबित हो सकती है। फिल्म देखने के बाद एक ट्विटर यूजर ने कहा- ये बड़े का एक शानदार रोमांच है इसे देखने के बाद आपका दिल पिघल जाएगा

में रणबीर की एक्टिंग की जमकर तारीफ हो रही है। सिर्फ इतना ही नहीं ये भी कहा जा रहा है कि ओपनिंग डे पर ये फिल्म कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 को कड़ी टक्कर दे सकती है। इस फिल्म में रणवीर के अलावा वाणी कपूर और संजय दत्त भी हैं। संजय दत्त जहां एक पुलिसवाले शुद्ध सिंह के किरदार में हैं तो वहीं वाणी कपूर ने डांसर का रोल निभाया है। फिल्म देखने के बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया सामने आ गई है। लोगों को फिल्म काफी पसंद आ रही है। शमशेरा भले ही आज रिलीज हुई हो, लेकिन इस फिल्म को हिट कराने के लिए मेकर्स ने 'भूल भुलैया 2' वाली ट्रिक अपनाई है। शेमशेरा के रिलीज होने से पहले ही सोमवार को मेकर्स ने इसकी एडवांस बुकिंग ओपन कर दी थी। एडवांस बुकिंग में शमशेरा ने 4.87 करोड़ का कारोबार कर लिया था। वहीं दर्शकों के अच्छे रिव्यू और एडवांस और आपको इस फिल्म से प्यार हो जाएगा विजुअल का कॉन्सेप्ट, डायरेक्शन और निःसंदेह रणबीर की परफॉर्मेंस जबरदस्त है। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा-एंगेजिंग. एंटरटेनमें एक्सीलें रणबीर का एंट्री सीन, ट्रेन का सीक्वेंस सभी कुछ बढ़िया और मसालेदार तरीके से क्रिक किया गया है। जनता के लिए बिल्कुल सही फिल्म है इसमें कुछ बेहतरीन शॉट है करण मल्होत्रा और पूरी टीम को बधाई। वहीं कई दर्शक तो थियेटर में बैठकर आधी फिल्म देखने के बाद ही इसे बेहतरीन बता रहे हैं। एक दर्शक ने तो आधी फिल्म देखने के बाद ही इसके पांच में से साढ़े तीन की रेटिंग दे डाली है। उन्होंने लिखा- रणबीर की परफॉर्मेंस बेहतरीन ह सिनेमेटोग्राफी और वीएफएक्स अक अलग लेवेल का है। वहीं कुछ लोग इसे फ्लॉ॰प फिल्म और कई लोग आमिर खान और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'ठग ऑफ हिंदुस्तान' की तरह बता रहे हैं।

विजय देवरकोंडा ने तोड़ा आमिर-सलमान की फिल्म का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । 24 घंटे में हासिल किए इतने व्यूजसाउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा की फिल्म लाइगर के ट्रेलर लॉन्च को 24 घंटे से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन लोगों के दिमाग से अभिनेता का खूमार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां मुंबई में आयोजित फिल्म 'लाइगर' के म्यूजिक रिलीज इवेंट में पहुंचे विजय की सादगी ने लोगों का दिल तो 24 घंटों में ट्रेलर को 0.12 करोड़ यानी 1.27 मिलियन लोगों ने पसंद किया है। बता दें कि आमिर खान की आगामी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के ट्रेलर को 24 घंटो में तकरीबन 4.6 करोड़ व्यूज मिले थे। वहीं 2016 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' के ट्रेलर को 4.7 करोड़ लोगों ने ही देखा था। आंकड़ो की

जीत लिया है। वहीं दूसरी तरफ विजय देवरकोंडा की पहली हिंदी फिल्म 'लाइगर' के ट्रेलर को लोगों 'ट्रेलर ऑफ द इय्यर' बता रहे हैं। यही कारण है कि विजय देवरकोंडा की पहली पैन इंडिया फिल्म के ट्रेलर ने 24 घंटों में ही आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा', सलमान खान अभिनीत 'सुल्तान' और अजय देवगन स्टारर 'रनवे 34' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 21 जुलाई को रिलीज हुए 'लाइगर' के ट्रेलर ने 24 घंटों में पांच करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल कर लिए हैं। यदि हम ट्रेलर के हिंदी और तेलुगू संस्करण की बात करें तो विजय देवरकोंडा की फिल्म के ट्रेलर को 24 घंटें में क्रमशः 3 करोड़ और 1.6 करोड़ व्यूज मिले हैं। वहीं तमिल, कनन्ड़ और मलयालम भाषा में रिलीज हुए ट्रेलर को 0.37 करोड़ दर्शकों ने देखा है। अगर लाइक्स की बात करें माने तो साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की पहली हिंदी फिल्म ने आते ही सलमान और आमिर खान की फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालांकि, 24 घंटों में सबसे ज्यादा बार देखे गए ट्रेलर की लिस्ट में विजय देवरकोंडा की फिल्म का नाम शामिल नहीं हो पाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'केजीएफ चैप्टर 2' के ट्रेलर ने व्यूज के मामले में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। यश की फिल्म के ट्रेलर को सभी भाषाओं में 105 मिलियन बार देखा गया था। जिसकी वजह से 'केजीएफ चैप्टर 2' का ट्रेलर 24 घंटों में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला भारतीय ट्रेलर बना हुआ है। वहीं 24 घंटों में 57 मिलियन व्यूज के साथ प्रभास और पूजा हेगड़े की रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म 'राधे श्याम' दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

रोमांस से छिटके रयान गॉसलिंग की सबसे खतरनाक एक्शन फिल्म

नई दिल्ली ।क्रिस इवांस बने खतरनाक विलेनमार्क ग्रिएनी की लिखी किताब 'द ग्रे मैन' पर इसी नाम की बनी नेटफ्लिक्स की फिल्म को बनाने में कहते हैं कि 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 1598 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। दुनिया भर में घूमती फिल्म 'द ग्रे मैन' की चर्चा भारत में इसलिए होती रही कि इसमें तमिल सिनेमा के सितारे धनुष भी काम कर रहे हैं। उनका काम फिल्म में वाकई में है कितना, उससे पहले ये भी जानना जरूरी है कि फिल्म में उनका दो बार उनके मूल स्थान को लेकर जिक्र किया जाता है और दोनों बार उन्हें भारतीय नहीं बल्कि तमिल कहकर पुकारा जाता है। रूसो ब्रदर्स इसके निर्देशक हैं, उनकी एवेंजर्स सीरीज की फिल्मों के भारतीय दर्शक मुरीद रहे हैं। 'एवेंजर्स एंडगेम' की भारत में कमाई का रिकॉर्ड भी अब तक कोई दूसरी फिल्म तोड़ नहीं पाई है। और, शायद इसीलिए रूसो ब्रदर्स को भारत से लगाव भी है। ये बात तो अब जग जाहिर है कि नेटफ्लिक्स के शेयर इस साल के शुरुआत से ही डांवाडोल रहे हैं। और, इधर इसकी फिल्मों का बजट बढ़ते बढ़ते 200 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, इसमें फायदा नेटफ्लिक्स के ग्राहकों को ही हो रहा है। फिल्म 'द ग्रे मैन' नेटफ्लिक्स की अब तक की सबसे भव्य एक्शन फिल्म कही जा सकती है। करीब दो घंटे की इस फिल्म में वह सब कुछ है जो अब तक दर्शक जेम्स बॉन्ड की फिल्मों में देखते आए हैं। सीआईए का एक शैडो एजेंट है सिक्स। गिनती में भले वह जेम्स बॉन्ड से एक गिनती कम हो लेकिन काम उसका कम नहीं है। वह कहता भी है कि सिक्स नाम रखना मजबूरी है क्योंकि सेवन पहले से ही किसी और ने ले लिया है। फिल्म 'द ग्रे मैन' की कहानी शुरू होती है एक जेल से जहां सीआईए का एक अधिकारी एक कातिल से मिलने आया है। जेल से छुड़ाने और उसे एक बेहतर जिंदगी के एवज में ये अधिकारी इस कातिल को अपने खेमे में शामिल करता है। काम मिलता है उन सारे खतरों को नेस्तनाबूद करना जो सीआईए खुद कानूनी बाध्यताओं के चलते नहीं कर सकती। फिल्म शुरू होती है बैंकॉक में। यहां सिक्स को एक ऐसे शख्स को खत्म करना है जो सीआईए के कुछ सुराग किसी

विदेशी शक्ति को बेचने वाला है। मरने से पहले ये शख्स अपना नाम फोर बताता है और ये भी बताता है कि उसे भी सिक्स की तरह ही उसी खास दस्ते में शामिल किया गया था जिसका सिक्स हिस्सा रहा है। सिक्स को यहां कुछ सबूत मिलते हैं और इस घटनाक्रम में ही पता चलता है कि सीआईए के बड़े अफसर बदल चुके हैं। सिक्स के बागी होते ही उसके पीछे एक और शैडो एजेंट को लगा दिया जाता है, उसे खत्म करने के लिए। एंथनी रूसो और जो रूसो की पहचान अवेंजर्स सीरीज की फिल्मों से ही ऐसी बन गई है जिनको एक्शन दृश्यों के सहारे दर्शकों को बांधे रखने में महारत हासिल है। ऐसी फिल्मों के साथ फायदा ये है कि दर्शक फिल्म देखने के बाद ही समझ पाता है कि फिल्म अच्छी है या बुरी। लेकिन, उसके देखने भर से फिल्म बनाने वालों को फायदा हो चुका होता है। फिल्म 'द ग्रे मैन' भी पूरी तरह से एक हिंसा से ओत प्रोत फिल्म है जिसका सिर्फ एक्शन फिल्में पसंद करने वाले दर्शक ही भरपूर आनंद ले सकते हैं। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में काम करने वाले सितारे क्रिस हेम्सवर्थ को फिल्म 'एक्स्ट्रैक्शन' में पेश करने के बाद इस बार रूसो ब्रदर्स कैप्टन अमेरिका बनते रहे क्रिस इवांस को अपने साथ लाए हैं। फिल्म में क्रिस का किरदार मुख्य खलनायक है और इतना वहशी खलनायक हाल फिलहाल के दिनों में सिर्फ तमिल व तेलुगू फिल्मों मे ही देखने को मिला है। फिल्म 'द ग्रे मैन' एक तरह से टिपिकल दक्षिण भारतीय एक्शन फिल्म जैसी है, बस यहां कहानी दुनिया के एक देश से दूसरे देश में यूं जाती रहती है जैसे लोग गाजियाबाद से नोएडा, दिल्ली और गुड़गांव, फरीदाबाद जाते रहते हैं। कहानी की चूंकि ज्यादा परतें नहीं हैं लिहाजा रूसो ब्रदर्स दर्शकों को पूरी फिल्म में इसके बेइंतेहा हिंसक एक्शन दृश्यों से बांधे रखने की कोशिश करते रहते हैं और कमोबेश इसमें सफल भी रहते हैं। आसमान में हवाई जहाज में धमाके होते हैं। नीचे धरती पर ट्रेन में घमासान मचा है। हीरो एक सूखे कुएं में गिरता है तो वहां भी पानी भरकर रूसो ब्रदर्स धमाका कर ही देते हैं। तकनीकी रूप से फिल्म कमाल है बस कहानी में 'जॉन विक' से लेकर 'मिशन इंपॉसिबल', 'बोर्न आइडेंटिटी' और ना जाने कितनी दूसरी हॉलीवुड एक्शन फिल्मों का कॉकटेल उन्होंने शामिल कर दिया है। कलाकारों मे ये फिल्म रयान रॉसलिंग का संपूर्ण एक्शन अवतार है। 'नोटबुक' और 'ला ला लैंड' के रोमांटिक हीरो को हालांकि पहले भी एक्शन फिल्मों में मौका मिला है लेकिन यहां जैसे रयान ने पहले सीन से तय कर रखा है कि उन्हें किसी भी तरह हॉलीवुड का सबसे बड़ा एक्शन हीरो बनना ही बनना है। विश्व सिनेमा में कारोबार के हिसाब से भी इन दिनों एक्शन फिल्मों की ही धूम है। यहां भारत में भी 'पुष्पा पार्ट 1', 'केजीएफ 2' और 'विक्रम' इसकी गवाही दे रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274